RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 7 , अंकः 255 , शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

सुरक्षित बचपन अभियान का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया शुभारंभ ... 03

ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आरसेटी कार्यालय सहायकों का प्रशिक्षण शुरू... 04

‘सीता रामम’ में पहले रश्मिका वाले रोल के लिए हुआ था संपर्क, फिर... 07

11 क्षेत्र घटकर अब 9 होंगे, 46 प्रांतों से 90 संभाग बनेंगे

आरएसएस में पहली बार बनेंगी राज्य इकाइयां

- संगठन का ढांचा बदलेगा, राज्य प्रचारक-राज्य कार्यवाह होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित बदलावों में क्षेत्र घटाना और नए संभाग बनाना शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, आरएसएस के 11 क्षेत्र घटाकर 9 किए जाएंगे। मौजूदा 46 प्रांतों की जगह करीब 90 संभाग बनाए जाएंगे। संघ पहली बार राज्य स्तर पर संगठनात्मक इकाइयां बनाएगा। इनमें केवल राज्य प्रचारक और राज्य कार्यवाह होंगे। इस व्यवस्था में राज्य संघचालक का पद नहीं होगा। संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की वार्षिक बैठक 2 से 4 नवंबर तक इंदौर में होगी।

संगठन में विकेंद्रीकरण की तैयारी

प्रस्तावित बदलावों का मकसद संघ के कामकाज को विकेंद्रीकृत करना है। इसके तहत जिम्मेदारियां ज्यादा प्रभावी ढंग से बांटी जाएंगी और अलग-अलग स्तरों पर तालमेल बेहतर किया जाएगा। अधिक संख्या में संभाग बनने से संगठनात्मक गतिविधियों का प्रबंधन आसान होने की उम्मीद है। इससे अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यक्रमों को लागू करने में भी मदद मिलेगी। संघ के मौजूदा संगठनात्मक ढांचे में अलग से राज्य स्तर की इकाई नहीं थी। नई व्यवस्था में राज्य स्तर पर केवल राज्य प्रचारक और राज्य कार्यवाह होंगे।

बैठकों की अवधि और जगह में बदलाव

संघ की सबसे बड़ी निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक अब हर साल नहीं होगी। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत यह बैठक हर तीन साल में नागपुर में आयोजित की जाएगी। क्षेत्रीय स्तर की बैठकें हर दो साल में होंगी। इन बदलावों का उद्देश्य क्षेत्रों, संभागों और राज्य स्तर की इकाइयों के बीच तालमेल मजबूत करना है। बदलाव लागू होने के बाद आरएसएस के प्रशासनिक और संगठनात्मक ढांचे में बड़ा पुनर्गठन होगा। इससे क्षेत्रों, संभागों और राज्य इकाइयों के बीच समन्वय के लिए नई व्यवस्था बनेगी। संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक मध्यप्रदेश के इंदौर में 2 से 4 नवंबर तक होगी। इसमें शताब्दी वर्ष की गतिविधियों की समीक्षा भी की जाएगी। बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और सभी छह सह-सरकार्यवाह शामिल होंगे। सभी अखिल भारतीय विभागों के प्रमुख और संगठन की कार्यकारी संस्था के सदस्य भी बैठक में हिस्सा लेंगे।

नेवी में महिला अधिकारी को स्थायी कमीशन न देने का आदेश रद्द

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, दावे पर फिर से विचार करने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को भारतीय नौसेना चयन बोर्ड के 12 अप्रैल, 2024 के उस फैसले को रद कर दिया, जिसमें जज एडवोकेट जनरल शाखा की एक महिला अधिकारी को स्थायी कमीशन देने से इनकार कर दिया गया था। कोर्ट ने नौसेना को छह सप्ताह के भीतर उनके दावे पर फिर से विचार करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चयन बोर्ड ने सीमा चौधरी की अनुकूल वार्षिक गोपनीय रिपोर्टों पर उचित ध्यान नहीं दिया। इसके बजाय स्थायी कमीशन के लिए पहले की गई अनुशंसा न करने वाली सिफारिशों को जरूरत से ज्यादा अहमियत दी, जबकि गोपनीय रिपोर्टों में अधिकारी के प्रदर्शन का समग्र आकलन सकारात्मक था। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने बोर्ड को निर्देश दिया कि वह फिर से बैठक करे और कोर्ट के निर्देशों के अनुसार अधिकारी के दावे पर पुनर्विचार करे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि यह प्रक्रिया छह सप्ताह के भीतर पूरी हो जानी चाहिए। पीठ ने पाया कि बोर्ड ने गलती की है। बोर्ड ने स्थायी कमीशन के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सिफारिश न किए जाने को, महिला अधिकारी की उपयुक्तता आंकने का एक अहम आधार मान लिया।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में व्यवस्था परिवर्तन के लिए हिंसा पड़ेगी भारी!

- सरकार ने बनाया नया नियम, नौकरी पर छाएगा संकट

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में व्यवस्था बदलने के लिए युवा अगर सड़क पर उतरकर हिंसा करते हैं तो उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। राज्य सरकार ने अलग-अलग विभागों, परिषदों, निगमों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती से चुने जाने वाले

कैंडिडेट्स के चरित्र प्रमाण पत्र से जुड़े नियमों में यह बदलाव किया है। यूपी में नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव एम. देवराज ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद नए नियम जारी किए हैं। इसके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति ऐसे संगठन का सदस्य है, जिसका मकसद हिंसा के जरिए समाज की व्यवस्था बदलना है, तो उसे सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य माना जाएगा।

आजम को जमानत, लेकिन बाहर आना होगा मुश्किल

- बेटा जेल से छूटेगा, 2 पैन कार्ड मामले में 10 साल की सजा सस्पेंड

लखनऊ (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला की 10 साल की सजा को हाईकोर्ट ने सस्पेंड कर दिया। दोनों को जमानत भी दे दी। गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डबल पैन कार्ड मामले में यह फैसला सुनाया है। हालांकि, कोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अब्दुल्ला के जेल से बाहर निकलने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, आजम अभी जेल से बाहर आएंगे या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। वजह आजम के खिलाफ अभी दो पेंडिंग केस हैं। आजम के खिलाफ एक मामला ईडी ने हाल ही में दर्ज किया है। जबकि एक मामला 10 सितंबर का है, जिसमें यूपी विजिलेंस ने आजम के खिलाफ केस दर्ज किया था।

इजराइल चुनाव में विदेशी दखल का शक

- चुनाव आयोग हुआ ऐक्टिव, जांच के दिए आदेश

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल में 27 अक्टूबर को हुए संसदीय चुनाव में विदेशी दखल की आशंका जताई गई है। चुनाव आयोग ने जांच एजेंसी शिन बेट को मामले की जांच के आदेश दिए हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, एजेंसी एक हफ्ते में

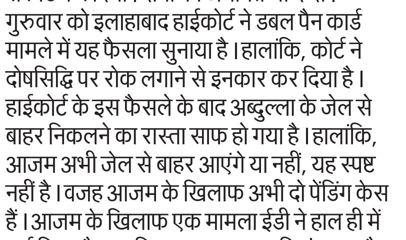

जांच रिपोर्ट सौंपेगी। प्रधानमंत्री नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को शक है कि कतर और तुर्किये से इजराइल और वेस्ट बैंक में पैसे भेजे गए। इनका इस्तेमाल अरब नागरिकों की फंडिंग के लिए किया गया। चुनाव खत्म होने के बाद दूसरे दिन भी मतों की गिनती जारी है। अब तक 92.6 फीसदी वोटों की गिनती हुई है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और विपक्षी नेता आइजनकोट दोनों बहुमत से दूर हैं।

ओडिशा में साइक्लोन से बाढ़, 300 गांव घिरे

- आंध्र प्रदेश में रेलवे पुल डूबा, कई जगह होर्डिंग उखड़े
- एमपी-राजस्थान सहित 15 राज्यों में बारिश-ठंड बढ़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान अर्नब भले ही कमजोर पड़ गया है लेकिन देश भर में इसका असर जारी है। चक्रवात ने सबसे ज्यादा ओडिशा और आंध्र प्रदेश में तबाही मचाई है। दोनों राज्यों में करीब 6 लोगों की मौत हुई है। ओडिशा के गंजाम जिले में लगातार 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। करीब 300 गांवों में बाढ़ आ गई है। राज्य सरकार इन इलाकों में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से निकालने की तैयारी कर रही है। राज्य में अब तक करीब 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में एक रेलवे पुल पानी में डूब गया है, जिसके चलते दोनों ओर से ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। प्रशासन फंसे यात्रियों को सड़क के रास्ते निकालने की तैयारी कर रहा है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में हजारों पेड़ गिर गए हैं। कई पुल और सड़कें भी बह गई हैं। चक्रवात के असर से मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश समेत 15 राज्यों में भी बुधवार रात से बारिश हो रही है। इन राज्यों में अगले दो दिन बारिश जारी रह सकती है। तेज बारिश की आशंका को देखते हुए छत्तीसगढ़ के 12 और ओडिशा के 16 जिलों में गुरुवार को स्कूल बंद रखे गए हैं।

चक्रवात अब डीप डिप्रेशन में बदला

चक्रवात अर्नब मंगलवार देर रात करीब 3.30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात अर्नब कमजोर होकर डीप डिप्रेशन में बदल गया है। गुरुवार सुबह तक इसके डिप्रेशन और शाम तक कम दबाव वाले क्षेत्र में बदलने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात अर्नब का असर दूसरे दिन भी मध्य प्रदेश में दिख रहा है। भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। गुरुवार सुबह सिंगरौली, पांढुर्णा, रायसेन, विदिशा, भोपाल और सागर में बारिश हुई। पांढुर्णा की मंडी में खुले में रखा हजारों क्विंटल मक्का भीग गया। वहीं, नर्मदापुरम जिले के पिपरिया में सुबह से धूप नहीं निकली।

घेराबंदी तोड़ो, आगे बढ़ो! पटना की सड़कों पर ‘आक्रोश’

- फूटा दारोगा अभ्यर्थियों का गुस्सा पुलिस बैरिकेडिंग तहस-नहस

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में दारोगा भर्ती के अभ्यर्थियों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। 1799 पदों के लिए आयोजित दारोगा मुख्य परीक्षा को रद्द किए जाने के निर्णय से नाराज सैकड़ों अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास (लोक सेवक आवास) का

घेराव करने के मकसद से सड़कों पर उतर आए। पुलिस की ओर से गांधी मैदान और जेपी गोलंबर पर की गई सख्त घेराबंदी और बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए उग्र अभ्यर्थी डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़ गए। अभ्यर्थियों का आरोप है कि पिछले एक महीने से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के बाद भी शासन-प्रशासन की ओर से उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की गई।

वेस्ट बंगाल बॉर्डर पर ‘फेंसिंग’ देख तिलमिलाया बांग्लादेश

- जवानों पर फेंके पत्थर तो बीएसएफ ने दिया मुंहतोड़ जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है। शुभेंदु अधिकारी सरकार द्वारा 1100 एकड़ से अधिक जमीन सौंपे जाने के बाद, सीमा सुरक्षा बल ने कई संवेदनशील इलाकों में निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। यह जमीन कई सालों से उपलब्ध नहीं हो पा रही थी। राज्य के गृह विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सरकार ने मई से अब तक बीएसएफ को 1177.1 एकड़ जमीन सौंपी है। इससे एक बड़ी प्रशासनिक बाधा दूर हो गई है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय सीमा के कुछ हिस्सों पर बाड़ लगाने का काम रुका हुआ था।

संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में निर्माण कार्य जारी

मुर्शिदाबाद के जलांगी जैसी जगहों पर बाड़ लगाने का काम शुरू हो गया है। यहां अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास खेतों के किनारे वी-आकार के कंटीले तारों वाले ढांचे और जालीदार पैनल लगाए जा रहे हैं। इस काम का उद्देश्य मौजूदा बाड़ नेटवर्क में मौजूद खाली जगहों को भरना और संवेदनशील हिस्सों पर आवाजाही की निगरानी करने की बीएसएफ की क्षमता को मजबूत करना है।

543 दवाओं के दाम घटे, नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी

कैंसर का 80 हजार का इंजेक्शन 7 हजार में

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कैंसर की 543 दवा ब्रांडों और पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। राष्ट्रीय नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के फैसले के बाद 397 यानी 73 फीसदी दवाओं के दाम घटाए गए हैं। इनमें 217 दवाओं की कीमत आधे से भी कम हो गई है। 97 ब्रांड की दवाओं की कीमतों में 70 से ज्यादा और 50 में 80 फीसदी से ज्यादा कटौती हुई है। पांच दवाओं की कीमतों में 90 फीसदी से ज्यादा कटौती हुई है। सबसे बड़ी कटौती सैमटेपा इंजेक्शन में हुई है। इसकी कीमत 80,071 से घटाकर 7,150 कर दी गई है।

पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद कर रहा

सुप्रीम कोर्ट ने दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत और रिटेलर को मिलने वाली कीमतों में भारी अंतर पर सरकार से सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद क्यों कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि सरकार की नजरों के सामने यह सब हो रहा है, क्या इसे ऐसे ही बेलगाम चलने देना चाहिए। दोनों मामलों की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

कुछ महंगी दवाओं के दाम कम नहीं हुए

कैंसर की कई दवाओं के दाम घटाए गए हैं, लेकिन कुछ महंगी दवाओं की कीमतें पहले जैसी ही हैं। इनमें इम्यूनोथेरेपी की दवा कीट्रूडा भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल 21 से ज्यादा तरह के कैंसर के इलाज में होता है। इसकी कीमत अभी भी 2,16,500 है। ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली रिबोसाइक्लिब की कीमत भी 24,435 पर बनी हुई है। इसके अलावा टैग्रिसो, टेसेंट्रिक, डार्जालेक्स और इम्फिंजी जैसी दवाओं के दामों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा, 1 नवंबर की रैली को समर्थन

इंडिया ब्लॉक से गठबंधन कर सकती है सीजेपी

राहुल गांधी बोले-छात्र संगठन भी मार्च में आएं, माहौल बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने विपक्ष की 1 नवंबर की रैली का समर्थन किया है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी के लोग रामलीला मैदान में होने वाली रैली में शामिल हो सकते हैं। सीजेपी ने इंडिया ब्लॉक से गठबंधन के संकेत भी दिए हैं। उसने इस पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा है। वहीं, राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्र संगठनों से भी 1 नवंबर के दिल्ली चलो मार्च में आने की अपील की है। उन्होंने ङ्म पर वीडियो जारी कर कहा कि पुलिस-लाठीचार्ज की चिंता नहीं करें। घबराने की जरूरत नहीं है। इस रैली की

तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई। इसमें प्रियंका गांधी वाड्रा समेत गठबंधन के कई नेता पहुंचे। इंडिया ब्लॉक और सीजेपी दोनों ही एसआईआर और वोटरों के नाम काटे जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

राहुल बोले- ये किसी राजनीतिक पार्टी का मार्च नहीं

राहुल ने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक पार्टी का मार्च नहीं, बल्कि भारत की आत्मा को बचाने का मार्च है। यह मार्च भारतीय संविधान और राष्ट्र की रक्षा के लिए है। एक नवंबर का मार्च लोकतंत्र बचाने, वोट चोरी रोकने और संविधान की रक्षा के लिए है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को लगता है कि देश के लोकतंत्र, संविधान, विचारों और अपनी बात रखने की आजादी पर हमला हो रहा है तो उसे इस मार्च में शामिल होना चाहिए। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक शुक्रवार को ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में पब्लिक महाभियोग प्रोग्राम करेगा। इसमें राहुल गांधी समेत विपक्षी नेता शामिल होंगे। दूसरी जगह पर परमिशन नहीं मिलने के बाद अब यह कार्यक्रम दोपहर 3.30 बजे 10 राजाजी मार्ग पर होगा। ये कार्यक्रम विपक्ष की 1 नवंबर को रामलीला मैदान पर होने वाली रैली से पहले होगा। पब्लिक महाभियोग में जनता या राजनीतिक दल किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ विरोध जताते हैं। इसके जरिए उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जाते हैं और इस्तीफे की मांग करते हुए सार्वजनिक दबाव बनाया जाता है।

जमीन में गाड़े नीले ड्रमों से निकला ‘खजाना’

- 500-500 के नोटों के बंडल से भरा था ड्रम

प्रयागराज (एजेंसी)। नीला ड्रम की बात सामने आते ही लोगों के जहन में डर पैदा हो जाता है। मेरठ की मुस्कान का नीला ड्रम वाला कांड के बारे में हर कोई जानता है। मुस्कान ने अपने पति की हत्या करने के बाद नीले ड्रम में रख दिया था। इसके बाद से नीला ड्रम क्राइम का प्रयाय बना हुआ है। अब प्रयागराज में भी एक नीला ड्रम पुलिस को बरामद हुआ है। इस बार नीला ड्रम में कोई

लाश नहीं बल्कि नोटों के बंडल मिले हैं। नवाबगंज थाना क्षेत्र के बरईपुर गांव में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने एक घर पर दबिश देकर जमीन के अंदर गाड़े गए तीन नीले ड्रमों को बरामद किया।

मकान के अंदर कमरे की जमीन खोदकर ड्रम बरामद

पूरा मामला यह है कि बरईपुर रामनगर गांव में बुधवार देर शाम मुंबई पुलिस और प्रयागराज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा एक राजेश यादव और राकेश यादव उर्फ महाकाल के मकान को घेर कर तलाशी अभियान शुरू किया गया। मकान के अंदर एक कमरे की जमीन खोदकर पुलिस ने 03 नीला ड्रम बरामद किया।

छठ में कटाव वाले घाटों पर बनेंगे वैकल्पिक तालाब

बीएनएम@ पटना

छठ महापर्व को लेकर पटना में गंगा घाटों की तैयारियों में तेजी लाई जा रही है। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने नगर निगम क्षेत्र के 16 गंगा घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को घाटों पर साफ-सफाई, जलनिकासी, पहुंच पथ और सुरक्षा से जुड़े कार्यों को तय समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया, ताकि छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने दीघा पाटीपुल, जेपी सेतु घाट, मीनार घाट, बालू पर, एलसीटी घाट, राजापुर पुल, बांस घाट, कलेक्ट्रेट घाट और महेंद्रू घाट समेत अन्य घाटों की स्थिति देखी। उन्होंने घाटों पर जमा पानी, कीचड़, गड्ढों और आवागमन के रास्तों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को जरूरी काम जल्द पूरा करने को कहा।

पानी उतरते ही शुरू होगी घाटों की सफाई: मानसून के दौरान गंगा का जलस्तर बढ़ने से कई घाट डूब गए थे। अब पानी कम होने के साथ ही घाटों की सफाई और उन्हें छठ के लिए तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है। नगर आयुक्त ने जलजमाव वाले स्थानों से पानी निकालने और कीचड़ हटाने का निर्देश दिया। गड्ढों को भरकर घाटों को समतल करने के लिए पोकलेन समेत अन्य मशीनों की मदद लेने को कहा गया है। पहुंच पथ पर जमा पानी और कीचड़ हटाकर रास्तों को सुगम बनाने पर भी जोर दिया गया।

कटाव वाले घाटों पर बनेंगे वैकल्पिक तालाब: गंगा में बाढ़ के कारण बांस घाट, पहलवान घाट समेत कुछ कच्चे घाटों पर कटाव हुआ है। ऐसे घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर आयुक्त ने प्रभावित स्थलों को चिह्नित करने का निर्देश दिया। जरूरत

❒ कलेक्ट्रेट और महेंद्रू घाट के लिए अलग रास्ते, बैरिकेडिंग से लेकर रोशनी तक की होगी व्यवस्था

पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था के तहत तालाब बनाए जाएंगे, ताकि छठव्रती सुरक्षित स्थान पर अर्घ्य अर्पित कर सकें।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि कलेक्ट्रेट घाट और महेंद्रू घाट के लिए इस बार अलग-अलग पहुंच पथ तैयार किए जा रहे हैं। इन घाटों पर पंप के जरिए पानी निकाला जा रहा है। मशीनों की सहायता से गड्ढों को भरकर जमीन समतल की जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को आने-जाने में सुविधा मिल सके। नगर आयुक्त ने घाटों पर सैंडबैग और बांस-बल्ले से बैरिकेडिंग, वॉच टावर, चेंजिंग रूम, पार्किंग और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी तैयारियों की नियमित निगरानी करने को भी कहा।

खेमनीचक सब्जी मंडी में लगी आग, 12 दमकल गाड़ियों ने एक घंटे में बुझाई

कई दुकानों को नुकसान जांच जारी

बीएनएम@ पटना

पटना के रामकृष्णा नगर थाना क्षेत्र की खेमनीचक सब्जी मंडी में गुरुवार सुबह आग लग गई। मंडी की कई दुकानें आग की चपेट में आ गईं। दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब एक घंटे में आग बुझाई। सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग की 12 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

10 जगहों से दमकल की गाड़ियां पहुंचीं: आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग के कंट्रोल रूम को मिली थी। इसके बाद लोदीपुर, कंकड़बाग, सचिवालय और पटना सिटी समेत 10 जगहों से दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचते ही दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरू कर दिया।

आसपास दुकानें और घर होने से बढ़ी चिंता: खेमनीचक सब्जी मंडी के आसपास कई दुकानें और घर हैं। ऐसे में आग फैलने की आशंका को देखते हुए दमकल कर्मियों ने तत्काल कार्रवाई की। करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल इलाके में स्थिति सामान्य है।

आग लगने के कारणों की जांच: अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। जांच के बाद ही आग लगने की वजह स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल स्थिति सामान्य है। दुकानों को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

आपत्तिजनक पोस्ट वायरल करने और रंगदारी मांगने का आरोपित गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के छतौनी थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट वायरल करने और रंगदारी मांगने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान छतौनी थाना क्षेत्र के मढ़िया जिरात निवासी सौरभ मिश्रा, पिता अशोक मिश्रा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे छतौनी थाना कांड संख्या 421/26 के तहत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपित पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट वायरल करने और रंगदारी मांगने का आरोप है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की थी। जांच के क्रम में आरोपित की पहचान होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, सौरभ मिश्रा का पूर्व में भी कई थानों में आपराधिक मामलों से जुड़ा रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ छतौनी थाना में वर्ष 2022 में मारपीट के मामले में कांड संख्या 78/22 तथा वर्ष 2026 में कांड संख्या 300/26 दर्ज है। इसके अलावा मोतिहारी नगर थाना में कांड संख्या 471/23, साइबर थाना में आईटी एक्ट के तहत कांड संख्या 47/24, मुजफ्फरपुर के मुजफ्फसिल थाना में धोखाधड़ी के मामले में कांड संख्या 54/14 और पटना के जक्कनपुर थाना में उत्पाद अधिनियम के तहत कांड संख्या 04/21 दर्ज होने की जानकारी दी गई है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

हत्या और रंगदारी के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के भोपालपुर थाना क्षेत्र में हत्या और रंगदारी के दो मामलों में पुलिस ने नामजद दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान भोपालपुर थाना क्षेत्र के नायका टोला निवासी रंजीत यादव, पिता बाबूलाल यादव और रविंद्र राय, पिता जगदीश राय के रूप में हुई है। पुलिस दोनों से पूछताछ के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपित भोपालपुर थाना कांड संख्या 127/26 और 128/26 में नामजद प्राथमिकी अभियुक्त हैं। ये दोनों मामले हत्या और रंगदारी से संबंधित हैं। मामले में आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही थी। इसी क्रम में दोनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, रंजीत यादव के खिलाफ भोपालपुर थाना में पहले से तीन मामले दर्ज हैं। इनमें कांड संख्या 127/25, 365/22 और 148/24 शामिल हैं। वहीं, रविंद्र राय के खिलाफ भी भोपालपुर थाना में तीन मामले दर्ज होने की जानकारी दी गई है। इनमें कांड संख्या 135/25, 364/22 और 147/24 शामिल हैं। पुलिस दोनों आरोपितों के आपराधिक इतिहास को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। हत्या और रंगदारी के इन मामलों में उनकी भूमिका तथा अन्य संभावित संलिप्त लोगों के संबंध में भी आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सरकारी गाड़ी के साथ रील बनाने वाला युवक मांगा माफी, भोजपुरी गानों पर बनाया था वीडियो

बीएनएम@ हाजीपुर। वैशाली में थाने की सरकारी गाड़ी के साथ रील बनाकर सोशल मीडिया पर डालने वाला युवक अब माफी मांग रहा है। महनार थाना क्षेत्र के इशाकपुर गांव के रवि कुमार के कई वीडियो वायरल हुए हैं। इनमें वह पुलिस की गाड़ी के साथ भोजपुरी गानों पर रील बनाता दिख रहा है। एक वीडियो में रवि कुमार 'टूटत दिलवा टूट गेलऊ, सोचल मोर सपनमां गे...' गाने पर रील बनाता नजर आता है। दूसरे वीडियो में 'हमर नेता विधायक से पहचान है, तुमसे ज्यादा मेरा भाई बलवान है' गाने का इस्तेमाल किया गया है। वीडियो वायरल होने के बाद सरकारी पुलिस वाहन के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठे। इसके बाद रवि कुमार का माफी मांगते हुए वीडियो भी सामने आया। इस वीडियो में वह पुलिस अधिकारी के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगता और आगे ऐसी गलती नहीं करने की बात कहता दिख रहा है।

भैंस को नहलाते समय पोखर में डूबे बुजुर्ग, मौत, पैर फिसलने से हुआ हादसा, 4 बच्चों के थे पिता

बीएनएम@ हाजीपुर। हाजीपुर में भैंस को नहलाते समय पोखर में डूबने से शख्स की मौत हो गई। घटना काजीपुर थाना क्षेत्र के पानापुर में हुई। मृतक की पहचान स्वर्गीय जोगिंदर राय के बेटे रामबाबू राय (59) के रूप में हुई है। रामबाबू राय शाम को भैंस चराने के लिए पोखर के पास गए थे। भैंस को नहलाने के दौरान उनका पैर फिसल गया और वे पानी में डूब गए। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया और रामबाबू राय को खोजने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं मिले। घटना की सूचना मिलने पर गांव के लोग वहां जुट गए। वहीं उनका शव बरामद हुआ। काजीपुर थाना अध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और परिवार से जानकारी लेने के बाद जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया। परिवार के मुताबिक, रामबाबू राय के दो बेटे और दो बेटियां हैं। थाना अध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी और पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया।

हाजीपुर में बच्चों को साइबर अपराध से बचने की जानकारी

बीएनएम@ हाजीपुर। हाजीपुर आदर्श मध्य विद्यालय, दिग्घी कला में बुधवार को 'सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित बचपन' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुरक्षित बचपन अभियान के तहत बच्चों को साइबर अपराध, ऑनलाइन यौन उत्पीड़न और डिजिटल धोखाधड़ी से बचने के तरीके बताए गए। कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकार, वैशाली के तत्वावधान में स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से हुआ। मुख्य अतिथि साइबर डीएसपी चांदनी सुमन ने बच्चों से कहा कि अनजान लोगों के साथ निजी जानकारी, फोटो, वीडियो, पासवर्ड और OTP साझा न करें। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन कोई अनुचित बातचीत करे, अश्लील सामग्री भेजे या धमकी दे, तो डरने या चुप रहने के बजाय माता-पिता, शिक्षक या किसी भरोसेमंद व्यक्ति को इसकी जानकारी दें। संस्थान के सचिव और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने बताया कि साइबर अपराधी फर्जी लिंक, पुरस्कार, गेमिंग ऑफर और छात्रवृत्ति का लालच देकर ठगी करते हैं। उन्होंने बच्चों को संदिग्ध लिंक से बचने और गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की सलाह दी। कार्यक्रम में बच्चों को 'रुकें, सोचें और फिर क्लिक करें' का संदेश दिया गया। उन्हें अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं करने, मजबूत पासवर्ड रखने और ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग होने पर तुरंत मदद लेने के लिए कहा गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े सवाल पूछे, जिनका जवाब अतिथियों ने दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य विद्यार्थी रंजन कुमार ने की, जबकि संचालन अधिकार मित्र संतोष कुमार ने किया। मौके पर सूचीबद्ध अधिवक्ता नवीन कुमार झा, पीएलभी पंकज कुमार, कन्हाई झा, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

महुआ में गल्ला व्यवसायी से डेढ़ लाख रुपये-बाइक लूटी, 5 अपराधियों ने पिस्टल दिखाकर रोका

बीएनएम@ हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र में हथियारबंद अपराधियों ने गल्ला व्यवसायी से डेढ़ लाख रुपये नकद और बाइक लूट ली। निझमा चौक से बड़हर चौक जाने वाले मुख्य मार्ग पर दो बाइक से पहुंचे पांच अपराधियों ने पिस्टल के बल पर वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद सभी अपराधी बड़हर चौक की ओर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। पीड़ित की पहचान महुआ थाना क्षेत्र के नरसिंहपुर बंगाही गांव स्थित कुशहर पुल निवासी राजीव कुमार साह के रूप में हुई है। वह गल्ला व्यवसाय से जुड़े हैं। मिली जानकारी के अनुसार, व्यवसाय से लौटने के दौरान निझमा-बड़हर चौक मार्ग पर अपराधियों ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद पिस्टल दिखाकर उनसे डेढ़ लाख रुपये नकद और बाइक छीन ली। घटना की सूचना मिलते ही महुआ एसडीपीओ पोलस्त कुमार और थानाध्यक्ष अरविंद प्रसाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

बिहार दरोगा कैंडिडेट्स का प्रदर्शन, बैरिकेडिंग तोड़ी

❒ पुलिस ने घसीटकर सड़क से उठाया, मेंस परीक्षा कैंसिल करने के खिलाफ कर रहे प्रोटेस्ट

बीएनएम@ पटना

पटना में 1799 पदों वाली दरोगा भर्ती की मेंस परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में अभ्यर्थी आज गुरुवार को सड़क पर उतरे। अभ्यर्थी गांधी मैदान से निकलकर जेपी गोलंबर पहुंचे तो प्रशासन ने बैरिकेड लगाकर रोकने की कोशिश की। कैंडिडेट्स ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और जेपी गोलंबर से डाकबंगला की ओर बढ़ गए। डाकबंगला चौराहे पर पुलिस ने इन्हें फिर रोकने की कोशिश की। कुछ कैंडिडेट्स सड़क पर लेट गए, जिन्हें पुलिस ने घसीटकर उठाया और डिटेन किया। बता दें, प्रदर्शन की

शुरुआत गांधी मैदान के गेट नंबर-10 से हुई, जहां दरोगा के सफल अभ्यर्थी लोक सेवक आवास घेरने निकले थे। हालांकि प्रशासन ने इन्हें डाकबंगला पर रोका, वहां से 5 कैंडिडेट्स की टीम आयोग से बात करने गई। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे पिछले 1 महीने से गर्दनीबाग धरना स्थल पर अपनी मांगों को लेकर बैठे हैं, लेकिन अब तक उनकी बात नहीं सुनी गई है।

साड़ी दुकान में पीडीएस की पर्ची काटने का आरोप मिल्की गांव में अनाज की जगह पैसे देने का आरोप

बीएनएम@ पटना

पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल की सम्यागढ़ पंचायत में जनवितरण प्रणाली (PDS) की दुकान को लेकर अनियमितता के आरोप लगे हैं। आरोप है कि मिल्की गांव में आशा कुमारी के नाम से आवंटित जनवितरण दुकान सम्यागढ़ बाजार स्थित एक साड़ी की दुकान से चलाई जा रही है। यहां राशन कार्डधारकों से पैसे लेने और अनाज के बदले नकद राशि देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में एक युवक ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और संबंधित डीलर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

साड़ी की दुकान में मशीन रखकर काटी जा रही पर्ची: वीडियो बनाने वाले युवक अंजनी कुमार के मुताबिक, साड़ी की दुकान में जनवितरण प्रणाली की मशीन रखी जाती है और उसी से राशन की

पर्ची काटी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि राशन कार्ड में दर्ज प्रत्येक सदस्य के नाम पर 10 रुपए लिए जाते हैं। पांच सदस्यों वाले कार्ड पर 50 रुपए वसूलने का दावा किया गया है। अंजनी कुमार का आरोप है कि जो लोग पैसे नहीं देते, उन्हें कभी सर्वर की समस्या तो कभी किसी अन्य कारण का हवाला देकर वापस लौटा दिया जाता है। उनका कहना है कि दुकान दूसरे गांव में होने के कारण कार्डधारकों को राशन लेने के लिए मिल्की गांव जाना पड़ता है।

अनाज नहीं लेने पर नकद भुगतान का आरोप: स्थानीय

कम अनाज देने का दावा

निवासी रंजन कुमार ने आरोप लगाया कि राशन लेने पहुंचने वाले गरीब परिवारों से 30 रुपए तक लिए जाते हैं। उनके मुताबिक, कुछ लोगों को अनाज देने के बजाय नकद पैसे दिए जाते हैं, जबकि अनाज लेने वालों को प्रति यूनिट चार किलो राशन देने का दावा किया गया है। रंजन कुमार ने यह भी आरोप लगाया कि अनाज के बदले पैसे लेने पर 12 से 14 रुपए प्रति किलो की दर से भुगतान किया जाता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और यह स्पष्ट नहीं है कि कथित भुगतान किस नियम या व्यवस्था के तहत किया जा रहा था।

वीडियो में महिला और दुकानदार के बीच बातचीत: सोशल मीडिया पर डाले गए वीडियो में एक महिला और जनवितरण दुकान चला रहे व्यक्ति के बीच बातचीत सुनाई देती है। बातचीत के दौरान व्यक्ति कहता है कि यदि महिला अनाज नहीं लेती है, तो उसे पैसे दिए जाएंगे। वीडियो के आधार पर युवक ने संबंधित डीलर पर कार्रवाई की मांग की है। अंजनी कुमार के मुताबिक, पंचायत के दो अन्य जनवितरण दुकानदार पहले ही निलंबित हो चुके हैं और फिलहाल इलाके में यही एक डीलर बचा है। इस दावे की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

मामले को लेकर जनवितरण दुकानदार और एसडीओ कृष्णा जोशी से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन दोनों ने कॉल रिसीव नहीं किया। इस कारण उनका पक्ष नहीं मिल सका। मामले में लगाए गए आरोपों की आधिकारिक जांच और संबंधित विभाग की प्रतिक्रिया सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पीके के डिजिटल हेड की मौत, सीबीआई जांच की मांग

प्रशांत किशोर बोले- हादसा है या साजिश, सच सामने आए, भाई का दावा- देवपालिक की हत्या हुई

बीएनएम@ पटना

जन सुराज पार्टी के डिजिटल कम्युनिकेशन मैनेजर देवपालिक गुप्ता का गुरुवार को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर स्थित मलाही घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर भी शामिल हुए। उन्होंने देवपालिक को श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों के प्रति संवेदना जताई। इस दौरान प्रशांत किशोर भावुक नजर आए। उन्होंने मौत के कारण की सीबीआई जांच की मांग की। PK ने देवपालिक को पार्टी का समर्पित साथी बताते हुए कहा, "वह पिछले छह सालों से उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे थे। इससे बड़ी त्रासदी और क्या हो सकती है?"

देवपालिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत को लेकर परिवार ने हत्या की आशंका जताई

है। परिजनों ने घटना की परिस्थितियों और शव की स्थिति को लेकर कई सवाल उठाए हैं। परिवार ने मामले की गहराई से जांच कराने की मांग की है। परिजनों के अनुसार, रांची में उनके संपर्क में रहे अधिकारियों ने मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से मामले की सीबीआई जांच कराने का निर्देश जारी किए जाने की जानकारी दी है।

प्रशांत किशोर बोले- मौत की वजह जांच का विषय: देवपालिक की मौत पर उठ रहे सवालों को लेकर प्रशांत किशोर ने कहा कि यह पूरी तरह जांच का विषय है। पुलिस को पता लगाना चाहिए कि देवपालिक चलती ट्रेन से दुर्घटनावश गिरे थे, उन्हें किसी ने धक्का दिया था या घटना के पीछे कोई दूसरी वजह थी।

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका: देवपालिक की मौत के मामले में उनके परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। उनके भाई तारकेश्वर गुप्ता और करीबियों ने घटना की परिस्थितियों और शव की स्थिति को लेकर संदेह व्यक्त किया है। परिजनों की मांग है कि मामले की गहराई से जांच की जाए, ताकि मौत की असली वजह सामने आ सके। शुरुआती आकलन में रेलवे पुलिस और स्थानीय पुलिस की ओर से चलती ट्रेन से गिरने की आशंका जताई गई थी। हालांकि, परिजन इस घटना को केवल दुर्घटना मानने के बजाय इसके पीछे किसी साजिश की संभावना की भी जांच चाहते हैं। ऐसे में पुलिस जांच से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि देवपालिक की मौत किन परिस्थितियों में हुई।

भाई ने कहा- हत्या का शक है: देवपालिक के भाई तारकेश्वर गुप्ता ने हत्या की आशंका जताते हुए कहा कि उनका भाई पटना से अकेले रांची गया था। बाद में दो अन्य लोग उसके साथ जुड़ गए और तीनों वापसी में साथ यात्रा कर रहे थे। उनके मुताबिक, यात्रा के दौरान दो स्टेशन पार होने के बाद देवपालिक का मोबाइल फोन पूरी तरह बंद हो गया। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक टीम ने भी शव की स्थिति को लेकर सवाल उठाए थे। परिवार का दावा है कि शव जिस स्थिति में मिला, वह सामान्य रूप से ट्रेन से गिरने की घटना से मेल नहीं खाती। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मौत की असली वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

फतुहा में 10.318 किलो गांजे के साथ पिता-पुत्र अरेस्ट

बीएनएम@ पटना

पटना जिले के नदी थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। 10.318 किलोग्राम गांजे के साथ पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। तस्करी में इस्तेमाल सीएनजी ऑटो को भी जब्त किया है। गांजे की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई जा रही है। फतुहा एसडीपीओ-1 अवधेश कुमार ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि रुस्तमपुर की ओर से ऑटो से गांजा तिनमुहानी पुल के रास्ते पटना शहर ले जाया जा रहा है। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम और प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी ने पुल के नीचे घेराबंदी की। ऑटो पहुंचा तो पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की। पुलिस को देखकर

ड्राइवर गाड़ी घुमाकर भागने लगा, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। दंडाधिकारी की मौजूदगी में गाड़ी की तलाशी ली गई। ड्राइवर की सीट के नीचे छिपाकर रखा 10.318 किलोग्राम गांजा मिला। पुलिस ने गांजा और ऑटो का जब्त कर लिया है। ड्राइवर और मालिक की भी गिरफ्तारी हुई है। गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर BR-01PP-5234 है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार लोगों की पहचान संजीव कुमार (21) और उनके पिता अमरनाथ राय (50) के रूप में हुई है।

भारत-नेपाल सीमा पर नाबालिग छात्रा के साथ पकड़ा गया शिक्षक, मानव तस्करी की आशंका; निलंबित

बीएनएम@ छौड़ादानों

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की गश्ती टीम ने बुधवार शाम 14 वर्षीय छात्रा के साथ एक शिक्षक को संदिग्ध परिस्थितियों में पकड़ा। आरोप है कि वह नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा को बहला-फुसलाकर नेपाल ले जा रहा था। मामले में मानव तस्करी की आशंका के मद्देनजर महुआवा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं, मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा विभाग ने संबंधित शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। पकड़े गए शिक्षक की पहचान दरपा थाना क्षेत्र के पिपरा गांव निवासी कासीम आलम के रूप में हुई है। वह श्री रामदवन विभीषण +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय, लखौरा में प्रतिनियोजित शिक्षक के रूप में कार्यरत था। उसका मूल पदस्थापन उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, कढ़ान बैरिया, प्रखंड केसरिया में बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारत-नेपाल सीमा पर गश्त कर रहे महुआवा एसएसबी के जवानों को शिक्षक की गतिविधियों पर संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने छात्रा के साथ उसे रोककर पूछताछ की। मामला संदिग्ध पाए जाने पर एसएसबी ने शिक्षक को महुआवा थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बाल संरक्षण से जुड़ी चाइल्ड लाइन, मोतिहारी को भी मामले की जानकारी दी है। इस संबंध में महुआवा थाना कांड संख्या- 200/26, दिनांकः- 29 अक्टूबर 2026, गुरुवार के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। छात्रा की सुरक्षा और उसके संरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि, शिक्षक पर लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। इसकी पुष्टि बॉर्डर न्यूज़ मिरर अखबार भी नहीं करती है। घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने श्री रामदवन विभीषण +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय, लखौरा पहुंचे और विद्यालय प्रबंधन के समक्ष विरोध जताया। उन्होंने संबंधित शिक्षक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि शिक्षक की जिम्मेदारी विद्यार्थियों को शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें उचित मार्गदर्शन और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की भी है। ऐसे में इस तरह के गंभीर आरोपों से शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा होती है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। इस मामले में शिक्षा विभाग ने भी कार्रवाई की है। कार्यालय आदेश के अनुसार, विद्यालय के प्रधानाध्यापक की ओर से 29 अक्टूबर 2026 को भेजे गए प्रतिवेदन में कासीम आलम के दो दिनों से बिना सूचना विद्यालय से अनुपस्थित रहने और नाबालिग छात्रा को मानव तस्करी की आशंका के बीच नेपाल ले जाते समय पकड़े जाने का उल्लेख किया गया है। आदेश में प्रथम दृष्टया आरोपों को गंभीर मानते हुए बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक (नियुक्ति, स्थानांतरण, अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशर्त) संशोधित नियमावली, 2024 तथा समय-समय पर संशोधित संबंधित प्रावधानों के तहत शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, कोटवा के कार्यालय में निर्धारित किया गया है। साथ ही, आरोप पत्र प्रपत्र 'क' अलग से जारी करने और नियमानुसार निलंबन भत्ता देने का प्रावधान किया गया है। आदेश में जिला शिक्षा पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी का अनुमोदन प्राप्त होने का भी उल्लेख है। इस घटना ने नाबालिगों की सुरक्षा तथा विद्यालयों की जवाबदेही से जुड़े सवालों को फिर सामने ला दिया है। अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि बच्चों की सुरक्षा, उनकी समस्याओं और संदिग्ध गतिविधियों के प्रति सजग रहें। किसी भी आशंका की स्थिति में कानून हाथ में लेने के बजाय पुलिस और संबंधित बाल संरक्षण इकाइयों को सूचना देना जरूरी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर होगी। इस पूरे प्रकरण में नाबालिग छात्रा की सुरक्षा सुनिश्चित करना, उसके हितों का संरक्षण करना और आरोपों की निष्पक्ष जांच करना सबसे महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

हत्या के आरोपी को भगाने के आरोप में पुलिस का सिपाही गिरफ्तार

निजी लाभ के लिए न्यायिक हिरासत से फरार कराने में सहयोग का आरोप, सीसीटीवी फुटेज से सामने आई संलिप्तता

बीएनएम@ मोतिहारी। हत्या कांड के एक अभियुक्त को न्यायालय परिसर से फरार कराने के मामले में पुलिस ने अपने ही विभाग के एक सिपाही को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच, न्यायालय में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सिपाही निरंजन पासवान की संलिप्तता सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। आरोप है कि सिपाही ने निजी लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से अभियुक्त को फरार कराने में सहयोग किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 27 अक्टूबर 2026, मंगलवार को नगर थाना कांड संख्या- 369/24 के तहत हत्या के मामले में गिरफ्तार अभियुक्त हरिशंकर पासवान, पिता विश्वनाथ पासवान, निवासी मधुमालती, वार्ड संख्या-12, थाना सुगौली, जिला पूर्वी चंपारण, मोतिहारी को न्यायालय में पेशी के लिए लाया गया था। इसी दौरान अभियुक्त न्यायिक हिरासत से फरार हो गया। घटना के बाद हाजत प्रभारी पुलिस निरीक्षक धर्मवीर भारती ने मामले की जांच की। प्रारंभिक जांच के दौरान न्यायालय परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज और उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन किया गया। जांच में सिपाही संख्या-191 निरंजन पासवान की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इसके बाद मामले में संलिप्तता के आरोप में उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार सिपाही निरंजन पासवान, पिता चंद्रिका पासवान, निवासी पलानकी साखी, थाना कोच, जिला गया का रहने वाला है। इस मामले में नगर थाना कांड संख्या 1049/26 दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, घटना में शामिल अन्य अपराधियों और सहयोगियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

मदरसा शिक्षक पर सरकारी राशि के गबन का आरोप 31.36 लाख रुपये की अवैध निकासी का मामला दर्ज

पत्नी के खाते में भी जमा कराई गई राशि, आरोपी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित; सेवा समाप्ति की कार्रवाई के लिए मदरसा बोर्ड को लिखा गया पत्र

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में मदरसा शिक्षकों के वेतन भुगतान की एच.आर.एम.एस प्रणाली में कथित छेड़छाड़ कर सरकारी राशि की अवैध निकासी का मामला सामने आया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण ने मदरसा मिसवाहुल उलूम, सेमरहिया, छौड़ादानों के शिक्षक मो. इमादुद्दीन शाबिर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद उनकी सेवा समाप्ति की कार्रवाई के लिए बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड, पटना को पत्र भेजा है। वहीं, जिला शिक्षा पदाधिकारी की ओर से जारी पत्र के अनुसार, मो. इमादुद्दीन शाबिर को जिले के शिक्षकों के वेतन भुगतान के लिए एच.आर.एम.एस प्रणाली में प्रतिनियुक्त एवं अधिकृत किया गया था। आरोप है कि इसी दौरान उन्होंने प्रणाली में कथित तौर पर छेड़छाड़ कर अपने और अपनी पत्नी रोविना कौशर के बैंक खातों को जोड़ दिया तथा सरकारी राशि की निकासी कर ली। उक्त पत्र में उल्लेख किया गया है कि आरोपी के खाते में 13 लाख 87 हजार 881 रुपये, जबकि उनकी पत्नी रोविना कौशर के खाते में 17 लाख 48 हजार 178 रुपये जमा किए गए। इस प्रकार कुल 31 लाख 36 हजार 59 रुपये की सरकारी राशि की अवैध निकासी और गबन का आरोप लगाया गया है। इस मामले में जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय के पत्रांक 5286, दिनांक 28 अक्टूबर 2026 के आधार पर मोतिहारी नगर थाने में कांड संख्या 1054/26 दर्ज कराई गई है। पत्र के मुताबिक, मोतिहारी पुलिस ने आरोपी मो. इमादुद्दीन शाबिर पर 10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया है। सरकारी राशि के कथित गबन के बाद फरार होने का उल्लेख करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी ने उन्हें शिक्षक पद के दायित्वों के निर्वहन के लिए अयोग्य बताया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड, पटना के सचिव से आरोपी शिक्षक की सेवा विधिसम्मत तरीके से समाप्त करने की कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित मदरसे में प्रबंध समिति क्रियाशील नहीं है। ऐसे में सेवा समाप्ति की प्रक्रिया को लेकर मदरसा बोर्ड से आवश्यक कार्रवाई की अपेक्षा की गई है। फिलहाल, मामले में लगाए गए आरोपों की अंतिम पुष्टि जांच एवं न्यायिक प्रक्रिया के निष्कर्षों पर निर्भर करेगी।

हत्यारोपित को फरार कराने के आरोप में सिपाही गिरफ्तार

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में हत्या के एक मामले के आरोपित को न्यायिक हिरासत से फरार कराने के आरोप में पुलिस ने सिपाही निरंजन पासवान को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सिपाही ने निजी लाभ के लिए आरोपित को फरार कराने में सहयोग किया था। न्यायालय में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच में उसकी संलिप्तता सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से 29 अक्टूबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नगर थाना कांड संख्या 369/24 के हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपित हरीशंकर पासवान को 27 अक्टूबर 2026 को न्यायालय में पेशी के लिए लाया गया था। इसी दौरान वह न्यायिक हिरासत से फरार हो गया। घटना की जांच हाजत प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक धर्मवीर भारती को सौंपी गई। जांच के दौरान न्यायालय में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सिपाही सह 191 निरंजन पासवान की संलिप्तता सामने आई। पुलिस के मुताबिक, उसने निजी लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से आरोपित को फरार कराने में सहयोग किया था। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार सिपाही गया जिले के कोच थाना क्षेत्र के पलानकी साखी गांव निवासी चंद्रिका पासवान का पुत्र है। इस मामले में नगर थाना कांड संख्या 1049/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फरार हत्यारोपित की तलाश के साथ ही घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

सुरक्षित बचपन अभियान का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया शुभारंभ

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के तत्वावधान में गुरुवार को जी.डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, मोतिहारी में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के 'सुरक्षित बचपन अभियान' के अंतर्गत लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 पर विधिक जागरूकता एवं संवादात्मक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश -सह- अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, विद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय प्रशासन की ओर से उपस्थित न्यायिक पदाधिकारियों को स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश -सह- अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए बाल संरक्षण कानून, बाल अधिकार, व्यक्तिगत सुरक्षा, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, इंटरनेट सुरक्षा तथा बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के तहत 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को यौन अपराधों से कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि किसी भी असुरक्षित परिस्थिति में भयभीत होने के बजाय अपने माता-पिता, शिक्षकों अथवा अन्य विश्वसनीय व्यक्तियों से सहायता लें और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को 'मना करें, सुरक्षित स्थान पर जाएं और विश्वसनीय व्यक्ति को बताएं' का संदेश दिया गया। साथ ही, सामाजिक माध्यमों पर व्यक्तिगत जानकारी एवं तस्वीरों की सुरक्षा, ऑनलाइन उत्पीड़न तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया।छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संवादात्मक प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया। इसमें बाल अधिकार, बाल संरक्षण कानून, व्यक्तिगत सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित प्रश्न पूछे गए, जिनके माध्यम से बच्चों का ज्ञानवर्धन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण के पैरा विधिक स्वयंसेवक उज्ज्वल पाण्डेय ने छात्र-छात्राओं को बाल सहायता हेल्पलाइन 1098, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की निःशुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100, आपातकालीन सहायता नंबर 112 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में विद्यालय में विधिक सहायता क्लिनिक एवं पॉक्सो समिति का गठन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यालय स्तर पर बच्चों के बीच कानूनी जागरूकता बढ़ाना, बाल संरक्षण संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित सक्षम प्राधिकारियों से सहायता एवं समन्वय सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर बच्चों को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने तथा बाल अधिकारों के संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। उक्त जानकारी जी.डी. गोयनका पब्लिक स्कूल के निदेशक अमित कुमार ने दी।

71वीं वाहिनी एसएसबी ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' से किया जागरूक

बीएनएम@ मोतिहारी

71वीं एसएसबी द्वारा प्रफुल्ल कुमार, कमांडेंट के निर्देशन में समवाय अठ्मोहन के कार्यक्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, पूर्वी बिजबनी में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के संरक्षण, शिक्षा के महत्व, लैंगिक समानता तथा समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के प्रति छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित लोगों को जागरूक करना था। इस दौरान बालिकाओं को शिक्षित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समान अवसर प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर शेरिंग चोसग्याल, सहायक कमांडेंट ने अपने संबोधन में बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा एवं सम्मान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को शिक्षित एवं सशक्त बनाना एक सशक्त, समावेशी और विकसित समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने, लैंगिक भेदभाव को समाप्त करने तथा उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के बलकर्मियों, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान एवं समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संदेश दिया गया।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना में ठगी का खतरा, लाभार्थी रहें सतर्क

बीएनएम@ मोतिहारी

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना (एम.एम.यू.वाई) के लाभार्थियों को मशीनों की आपूर्ति, फर्जी बिल निर्माण और ऋण की किस्तों के पुनर्भुगतान के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। जिला उद्योग केंद्र, पूर्वी चंपारण को मशीन आपूर्तिकर्ताओं द्वारा गुणवत्ताहीन मशीनों की आपूर्ति, बिल में अनियमितता तथा लाभार्थियों को फोन कॉल के माध्यम से गुमराह कर ठगी करने के प्रयासों से संबंधित कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इस संबंध में जिला उद्योग केंद्र, पूर्वी चंपारण के महाप्रबंधक अंकित कुमार ने योजना के सभी लाभार्थियों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत ऋण की किस्तों का पुनर्भुगतान केवल निर्धारित आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही किया जाता है। इसलिए लाभार्थी किसी भी अनजान व्यक्ति के फोन कॉल या संदेश पर भरोसा कर किसी निजी बैंक खाते, यूपीआई आईडी अथवा अन्य अनधिकृत माध्यम से भुगतान न करें। पुनर्भुगतान से संबंधित कोई भी संदिग्ध कॉल आने पर आधिकारिक माध्यम से उसकी सत्यता की पुष्टि अवश्य करें। महाप्रबंधक ने लाभार्थियों को मशीनों की गुणवत्ता, तकनीकी विनिर्देश, वास्तविक आपूर्ति, मूल्य, वारंटी तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की सावधानीपूर्वक जांच करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि लाभार्थी यह सुनिश्चित करें कि बिल में दर्ज मशीन का नाम, मात्रा, तकनीकी विवरण और कीमत वास्तव में आपूर्ति की गई मशीनों के अनुरूप हों। किसी भी परिस्थिति में गलत, फर्जी अथवा भ्रामक बिल और दस्तावेजों के आधार पर दावा प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए। महाप्रबंधक ने बताया कि प्राप्त शिकायतों की नियमानुसार जांच कराई जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने वाले मशीन आपूर्तिकर्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, नियमों के तहत ऐसे आपूर्तिकर्ताओं को मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लाभार्थियों को मशीनों की आपूर्ति करने से प्रतिबंधित करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। महाप्रबंधक ने सभी लाभार्थियों से अपील की है कि वे फर्जी बिल निर्माण, गुणवत्ताहीन मशीनों की आपूर्ति, भुगतान में अनियमितता तथा ऋण की किस्तों के पुनर्भुगतान के नाम पर होने वाली ठगी के प्रति सतर्क रहें। यदि किसी लाभार्थी के साथ इस प्रकार की धोखाधड़ी या अनियमितता का प्रयास होता है, तो वह संबंधित जिला उद्योग केंद्र को आवश्यक साक्ष्यों एवं दस्तावेजों के साथ इसकी जानकारी दें, ताकि मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

एमसीई मोतिहारी में स्टार्टअप बैंक कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (एमसीई) के उद्यमिता प्रकोष्ठ (ई-सेल) की ओर से उद्योग विभाग, बिहार सरकार की पहल 'स्टार्टअप बिहार' के अंतर्गत 29 अक्टूबर, गुरुवार को स्टार्टअप–बैंक कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्टार्टअप उद्यमियों को बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से जोड़ना तथा उन्हें ऋण, वित्तीय सहायता और डिजिटल भुगतान सुविधाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नवनीत कुमार, मोतिहारी के अग्रणी बैंक प्रबंधक कृष्ण मुरारी सिंह, जिला उद्योग केंद्र महाप्रबंधक अंकित कुमार, परियोजना प्रबंधक राजन किशोर एवं अशोक तथा उद्योग विस्तार पदाधिकारी उमाशंकर कुमार एवं रमेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समन्वय ई-सेल के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. रवि कुमार ने किया। वहीं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अंकित कुमार ने 'स्टार्टअप बिहार' के अंतर्गत उपलब्ध सरकारी सहायता, उद्यमियों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं तथा जिला उद्योग केंद्र की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को अपने नवाचारी विचारों को व्यावसायिक रूप देने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं, अग्रणी बैंक प्रबंधक (एलडीएम) के.एम. सिंह ने स्टार्टअप के लिए बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने ऋण के लिए आवश्यक दस्तावेजों, पात्रता मानदंडों, बैंक योग्य परियोजना प्रस्ताव तैयार करने तथा ऋण आवेदन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। साथ ही, उन्होंने उद्यमियों को उचित तैयारी और आवश्यक दस्तावेजों के साथ बैंकों से संपर्क करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स (CGSS), स्टार्टअप ऋण, कार्यशील पूंजी, डिजिटल भुगतान प्रणालियों तथा अन्य वित्तीय समाधानों के बारे में जानकारी दी गई। बैंक एवं उद्योग विभाग के प्रतिनिधियों के साथ संवाद के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी वित्तीय आवश्यकताओं, व्यावसायिक योजनाओं और संभावित चुनौतियों पर चर्चा करने का अवसर मिला। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नवनीत कुमार ने युवाओं को नवाचार, स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान और उद्यमशील सोच को विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। ई-सेल के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. रवि कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों और युवा उद्यमियों को अपने व्यावसायिक विचारों को साकार करने में सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही, ये स्टार्टअप संस्थापकों, बैंकों और सरकारी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से युवा उद्यमियों को वित्तीय सहायता के विभिन्न विकल्पों की जानकारी मिली तथा अपने स्टार्टअप को आगे बढ़ाने के लिए बैंकिंग एवं सरकारी योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ।

नक्सलवाद प्रभावित जिलों के 50 युवा और 50 विशिष्टजन गुजरात रवाना

गांधी मैदान से डीएम और उपमहापौर ने हरी झंडी दिखाकर टीम को किया रवाना, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव का देंगे संदेश

बीएनएम@ मोतिहारी

नक्सलवाद प्रभावित रहे जिलों में शांति, एकता और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूर्वी चंपारण के युवाओं और विशिष्टजनों की टीम गुरुवार को गुजरात के केवड़िया के लिए रवाना हुई। 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के समक्ष आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में टीम के सदस्य भाग लेंगे। गांधी मैदान स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और उपमहापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर टीम को रवाना किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे जिले में अमन-चैन, शांति और सामाजिक सद्भाव के संदेशवाहक बनें। उन्होंने सभी सदस्यों की सफल एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। वहीं, उपमहापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद ने कहा कि चंपारण का प्रतिनिधित्व करने जा रहे विशिष्टजनों के माध्यम से जिले की गौरवशाली पहचान और उपलब्धियों का संदेश देशभर में पहुंचेगा। सरदार पटेल की प्रतिमा के समक्ष आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम से प्राप्त अनुभव और संदेश पूरे चंपारण के लिए प्रेरणादायक होंगे। ई कि यह यात्रा राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रतिनिधिमंडल की इस यात्रा को देश की एकता और शांति के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करने के अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

85 लाख की साइबर ठगी का खुलासा, धनगढ़हा से एक गिरफ्तार

निवेश के नाम पर करता था ठगी, 14 एटीएम कार्ड, 14 चेकबुक और 11 पासबुक बरामद; पांच राज्यों में दर्ज हैं शिकायतें

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले में करीब 85 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले का खुलासा करते हुए साइबर थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के धनगढ़हा गांव निवासी रामबाबू कुमार उर्फ राम बाबू कुमार साह, पिता शिवदयाल साह के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी कर मोबाइल, एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक, आधार कार्ड समेत कई संदिग्ध सामान बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने सहयोगियों के साथ मिलकर निवेश के नाम पर साइबर ठगी करता था। उसके बैंक खातों के विरुद्ध पांच अलग-अलग राज्यों में साइबर अपराध से संबंधित शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से 28 अक्टूबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, साइबर थाना मोतिहारी को गुप्त सूचना मिली थी कि रामबाबू कुमार के आईसीआईसीआई बैंक खाते में साइबर ठगी से संबंधित करीब 85 लाख रुपये की राशि मंगाई गई है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने धनगढ़हा गांव स्थित आरोपी के आवास पर छापेमारी कर उसे हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी से पूछताछ और तकनीकी जांच के दौरान पता चला कि वह अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर निवेश के नाम पर लोगों से साइबर ठगी करता था। जांच में उसके बैंक खातों के खिलाफ पांच अलग-अलग राज्यों में साइबर अपराध से जुड़ी शिकायतें मिलने की बात सामने आई है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि ठगी की रकम किन-किन खातों में भेजी गई और इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

मोबाइल से लेकर आधार कार्ड तक बरामद- छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो मोबाइल, एक स्वाइप मशीन, 14 एटीएम कार्ड, 14 चेकबुक, 11 पासबुक, 11 ड्राइविंग लाइसेंस, एक वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी), एक श्रम कार्ड, नौ आधार कार्ड, तीन पैन कार्ड, दो वोटर कार्ड, एक सिम कार्ड और एक क्यूआर स्कैनर बरामद किया है। पुलिस ने सभी बरामद सामान को जब्त कर लिया है। इस मामले में साइबर थाना मोतिहारी कांड संख्या 157/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में साइबर थाने के अपर पुलिस अधीक्षक प्रीतिश कुमार के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी और कर्मी शामिल थे। पुलिस अब आरोपी के अन्य सहयोगियों की पहचान करने, ठगी की रकम के लेन-देन का पता लगाने और पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

छठ महापर्व की तैयारी तेजः मोतिहारी के सभी 238 घाटों पर युद्धस्तर पर सफाई अभियान शुरू

बीएनएम@ मोतिहारी

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर मोतिहारी नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर निगम क्षेत्र के सभी 238 छठ घाटों पर व्यापक साफ-सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है। अटल रोड, मरीन ड्राइव, मिस्कॉट स्थित मलंग घाट और कदम घाट सहित विभिन्न घाटों पर युद्धस्तर पर सफाई का कार्य चल रहा है। नगर आयुक्त आशीष कुमार एवं उपमहापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद के निरीक्षण के बाद सफाई अभियान में तेजी लाई गई है। घाटों की सफाई के लिए जेसीबी, हाईवा और नाव की मदद ली जा रही है। कुशल मल्लाहों के साथ सिटी मैनेजर, सफाई अधिकारी एवं निगमकर्मी अभियान में जुटे हुए हैं। वहीं, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। नगर आयुक्त आशीष कुमार ने कहा कि इस बार छठ घाटों की साफ-सफाई को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है। सफाई और बैरिकेडिंग के कार्यों की जिम्मेदारी चार एजेंसियों को सौंपी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपमहापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में 137 छोटे, 37 मध्यम और 64 बड़े घाट हैं। सभी 238 घाटों पर साफ-सफाई के साथ चूना, ब्लीचिंग पाउडर, बैरिकेडिंग और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी 46 निगम पार्षदों के साथ सामाजिक कार्यकर्ता भी घाटों को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस अभियान में सामाजिक कार्यकर्ता पंकज कुमार सिन्हा, ऋषभ झा, डॉ. विवेक गौरव, निगम पार्षद प्रतिनिधि हरेंद्र पटेल, मनोज कुमार, सुधीर गुप्ता, अवनीश कुमार, सुधांशु रंजन, अजय गुप्ता, राजेश कुमार और उत्तम मिश्रा सहित कई लोग सहयोग कर रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता पंकज कुमार सिन्हा ने कहा कि छठ महापर्व को लेकर मोतिहारीवासी नगर निगम और जिला प्रशासन को पूरा सहयोग दे रहे हैं। सामूहिक सहभागिता से घाटों की सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ एवं व्यवस्थित घाटों पर श्रद्धापूर्वक भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

मझौलिया से लापता तीन नाबालिग लड़कियां सूरत से बरामद

24 घंटे के भीतर पुलिस ने तीनों को सकुशल खोज निकाला, एक विधि विरुद्ध बालक निरुद्ध

बीएनएम@ बेतिया। मझौलिया बाजार से लापता हुईं तीन नाबालिग लड़कियों को बेतिया पुलिस ने गुजरात के सूरत शहर से सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में एक विधि विरुद्ध बालक को भी निरुद्ध किया है। तकनीकी जांच और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर तीनों लड़कियों का पता लगा लिया। स्थानीय पुलिस के सहयोग से उनकी बरामदगी की गई। पुलिस के अनुसार, 21 अक्टूबर को तीनों नाबालिग लड़कियां दुर्गा पूजा का मेला देखने के लिए मझौलिया बाजार जाने की बात कहकर घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। इसके बाद एक लड़की की मां ने 22 अक्टूबर को मझौलिया थानाध्यक्ष को इसकी सूचना दी। आवेदन के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध तीनों नाबालिगों के अपहरण के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए बेतिया के वरीय पुलिस अधीक्षक ने तीनों लड़कियों की सकुशल बरामदगी के लिए सदर-01 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर गुजरात के सूरत में लड़कियों का पता लगाया और स्थानीय पुलिस की मदद से उन्हें सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक, तीनों बरामद लड़कियों और निरुद्ध विधि विरुद्ध बालक को 28 अक्टूबर की रात सूरत से बेतिया लाया गया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में एसडीपीओ सदर-01 अजीत कुमार, मझौलिया थानाध्यक्ष अमर कुमार, अंचल निरीक्षक मिथिलेश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक जब्बार हुसैन एवं लवकांत शर्मा तथा महिला सिपाही पूजा कुमारी और खुशबू कुमारी शामिल थीं।

बेतिया में 564 किलो से अधिक मादक पदार्थों का विनष्टीकरण

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले में विभिन्न मामलों में जब्त मादक पदार्थों का गुरुवार को विधिवत विनष्टीकरण किया गया। पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण, बेतिया और अन्य संबंधित पदाधिकारियों की उपस्थिति में न्यायालय के आदेशानुसार यह कार्रवाई की गई। इस दौरान लगभग 564 किलोग्राम मादक पदार्थों के साथ नशीले सिरप की 406 शीशियों को नष्ट किया गया। बेतिया पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विनष्ट किए गए मादक पदार्थों में 551.198 किलोग्राम गांजा और 12.02 किलोग्राम चरस शामिल हैं। इसके अतिरिक्त नशीले सिरप की 406 शीशियों का भी विनष्टीकरण किया गया। पुलिस ने बताया कि जब्त मादक पदार्थों को नष्ट करने की पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों और कानूनी प्रावधानों के अनुरूप संपन्न की गई। यह कार्रवाई विभिन्न मामलों में जब्त मादक पदार्थों के निस्तारण के लिए न्यायालय के आदेश के आलोक में की गई। बेतिया पुलिस ने मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि पुलिस आम लोगों की सेवा और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है।

शराबबंदी कानून के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 12 गिरफ्तार

बीएनएम@ छौड़ादानो। बिहार में शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए छौड़ादानो थाना पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान दो अलग-अलग कांडों में कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर चलाए गए छापेमारी अभियान के दौरान सभी आरोपितों को पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद कराई गई मेडिकल जांच में उनके शराब सेवन की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि सभी आरोपितों के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, सभी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया भी जारी है। थानाध्यक्ष श्री कुमार ने स्पष्ट किया कि शराब के सेवन, अवैध बिक्री और तस्करी के खिलाफ पुलिस का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने की बात कही।

गुजरात से तीन नाबालिग अपहृताएं सकुशल बरामद

बीएनएम@ बेतिया। मझौलिया थाना क्षेत्र से लापता तीन नाबालिग लड़कियों को बेतिया पुलिस ने गुजरात के सूरत शहर से सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में एक विधि-विरुद्ध बालक को भी निरुद्ध किया है। पुलिस टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से 24 घंटे के भीतर तीनों लड़कियों को बरामद करने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार, 22 अक्टूबर को सीता देवी (काल्पनिक नाम) ने मझौलिया थानाध्यक्ष को आवेदन देकर बताया था कि उनकी नाबालिग पुत्री अपनी दो सहेलियों के साथ 21 अक्टूबर को दुर्गा पूजा का मेला देखने मझौलिया बाजार गई थी। इसके बाद तीनों घर वापस नहीं लौटीं। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। आवेदन के आधार पर मझौलिया थाना में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ तीनों नाबालिग लड़कियों के अपहरण के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए बेतिया पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर-01 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर गुजरात के सूरत शहर में स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद 24 घंटे के भीतर तीनों नाबालिग लड़कियों को सकुशल बरामद कर लिया गया। मामले में एक विधि-विरुद्ध बालक को भी निरुद्ध किया गया है। पुलिस के अनुसार, बरामद तीनों लड़कियों और निरुद्ध बालक को 28 अक्टूबर की रात गुजरात के सूरत शहर से बेतिया लाया गया। मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में सदर-01 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार, मझौलिया थानाध्यक्ष अमर कुमार, सदर अंचल के पुलिस पदाधिकारी मिथिलेश कुमार, मझौलिया थाना के पुलिस पदाधिकारी जावेद हुसैन और लवकांत शर्मा के साथ महिला सिपाही पूजा कुमारी एवं खुशबू कुमारी शामिल थीं।

सरकारी राशि की अवैध निकासी के आरोप में डाटा एंट्री ऑपरेटर कार्यमुक्त

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिला शिक्षा विभाग ने सरकारी राशि की अवैध निकासी के आरोप में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) कार्यालय में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर अमन कुमार को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर दिया है। इस मामले में नगर थाना, मोतिहारी में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय की स्थापना शाखा से जारी पत्र के अनुसार, अमन कुमार, पिता सत्यनारायण प्रसाद, निवासी न्यू मोहल्ला, छतौनी बाजार, मोतिहारी के विरुद्ध सरकारी राशि की अवैध निकासी के आरोप में नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) की ओर से 29 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र में उक्त कार्रवाई की जानकारी दी गई है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि 28 अक्टूबर 2026 को जारी कार्यालय पत्र के आलोक में संबंधित कर्मी को डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद से तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त किया जाता है। सरकारी राशि की कथित अवैध निकासी के मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, मामले में आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आरसेटी कार्यालय सहायकों का प्रशिक्षण शुरू

कौशल विकास, स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर; विभिन्न आरसेटी के कार्यालय सहायकों को दिया जा रहा व्यावहारिक प्रशिक्षण

बीएनएम@ निरज आनंद

पटना। ग्रामीण युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसाइटी (बीआरएलपीएस) ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसी कड़ी में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (आरसेटी) के कार्यालय सहायकों के लिए राजधानी पटना में दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 29 एवं 30 अक्टूबर को होटल जिया ग्रांड में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आरसेटी की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना तथा ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास और आजीविका संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों को मजबूती प्रदान करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य परियोजना प्रबंधक रुचि कुमारी, प्रोग्राम मैनेजर रंजना रश्मि एवं नुपुर ओझा, युवा पेशेवर पूजा कुमारी, स्टेट कंट्रोलर आरसेटी उत्तर बिहार के.के सिंह, दक्षिण बिहार के अभय चौधरी एवं राहुल कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर एसआरएलएम की टीम ने विभिन्न आरसेटी से पहुंचे कार्यालय सहायकों का स्वागत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी कौशल विकास, स्वरोजगार की संभावनाओं, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने तथा छोटे व्यवसायों की स्थापना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, युवाओं को उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने, आजीविका के नए अवसरों की पहचान करने और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। कार्यक्रम में व्यावहारिक प्रशिक्षण और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के माध्यम से कार्यालय सहायकों की कार्यक्षमता बढ़ाने तथा आरसेटी की गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित एवं परिणामोन्मुख बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ कर ग्रामीण युवाओं तक कौशल विकास एवं स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के साथ युवाओं को उद्यमिता की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को केवल नौकरी की तलाश तक सीमित रखने के बजाय उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने, स्थानीय संसाधनों का सदुपयोग करने और आजीविका के स्थायी साधन विकसित करने के लिए सक्षम बनाना है। कार्यक्रम के बैनर पर भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय, आरसेटी, ग्रामीण आजीविका में उत्कृष्टता के राष्ट्रीय केंद्र (एनएसीईआर) तथा जीविका के लोगो प्रदर्शित किए गए हैं। यह प्रशिक्षण ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने, संस्थागत कार्यक्षमता बढ़ाने और ग्रामीण युवाओं को कौशल, स्वरोजगार एवं उद्यमिता के जरिए आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

2 से 4 नवंबर तक बनेगी किसानों की फार्मर आईडी, सीओ ने की अपील

बीएनएम@ रामगढ़वा

प्रखंड के किसानों की फार्मर आईडी बनाने के लिए दो से चार नवंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत प्रखंड क्षेत्र के सभी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और वसुधा केंद्रों पर किसानों की फार्मर आईडी बनाई जाएगी। अंचलाधिकारी अमित कुमार ने इसकी जानकारी देते हुए किसानों से निर्धारित तिथि पर अपने नजदीकी केंद्र पर पहुंचकर आईडी बनवाने की अपील की है। सीओ ने बताया कि किसानों की डिजिटल पहचान सुनिश्चित करने और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फार्मर रजिस्ट्री अभियान चलाया जा रहा है। फार्मर आईडी बनवाने के लिए किसानों को आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और अपने नाम से संबंधित जमाबंदी के कागजात साथ लेकर जाना होगा। फार्मर आईडी बनने से किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि समेत अन्य सरकारी कृषि योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सहूलियत होगी। इसके अलावा खाद और बीज की उपलब्धता, फसल बीमा तथा प्राकृतिक आपदा से फसलों को हुए नुकसान के मुआवजे से संबंधित प्रक्रियाओं में भी मदद मिलेगी। प्रशासन ने प्रखंड क्षेत्र के सभी किसानों से अपील की है कि वे दो से चार नवंबर के बीच अपने नजदीकी सीएससी या वसुधा केंद्र पर पहुंचकर फार्मर आईडी बनवाना सुनिश्चित करें, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में किसी तरह की परेशानी न हो।

नाबालिग को नेपाल ले जाने के आरोप में शिक्षक निलंबित, मानव तस्करी की आशंका में केस दर्ज

दो दिनों से बिना सूचना स्कूल से गायब थे शिक्षक कासिम आलम, महुआवा थाना में प्राथमिकी दर्ज; शिक्षा विभाग ने तत्काल प्रभाव से की कार्रवाई

बीएनएम@ मोतिहारी

नाबालिग लड़की को मानव तस्करी की आशंका के बीच नेपाल ले जाने के आरोप में पूर्वी चंपारण के एक विद्यालय अध्यापक पर शिकंजा कस गया है। महुआवा थाना में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद शिक्षा विभाग ने भी कड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपित शिक्षक कासिम आलम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। शिक्षक पर दो दिनों तक बिना सूचना विद्यालय से अनुपस्थित रहने का भी आरोप है। जिला शिक्षा पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण के कार्यालय से 29 अक्टूबर को जारी आदेश के अनुसार, कासिम आलम सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल), श्री रामदवन विभीषण +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय, लखौरा में प्रतिनियोजित थे। उनका मूल पदस्थापन केसरिया प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कढ़ान बैरिया में है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक की ओर से पत्रांक 126, दिनांक 29 अक्टूबर 2026 के माध्यम से शिक्षक के खिलाफ प्रतिवेदन दिया गया था। इसमें बताया गया कि शिक्षक बिना सूचना के दो दिनों से विद्यालय से अनुपस्थित थे। इसी बीच 29 अक्टूबर को एक नाबालिग लड़की को नेपाल ले जाते समय पकड़े जाने का मामला सामने आया। मानव तस्करी की आशंका के मद्देनजर महुआवा थाना कांड संख्या 200/26 दर्ज किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा विभाग ने शिक्षक के खिलाफ लगाए गए आरोपों को प्रथम दृष्टया सत्य प्रतीत होने के आधार पर बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक (नियुक्ति, स्थानांतरण, अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशर्त) संशोधित नियमावली, 2024 के प्रावधानों के तहत निलंबित कर दिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उनके खिलाफ आरोप पत्र प्रपत्र 'क' अलग से जारी किया जाएगा। निलंबन अवधि में शिक्षक का मुख्यालय प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, कोटवा का कार्यालय निर्धारित किया गया है। इस दौरान उन्हें नियमानुसार निलंबन भत्ता मिलेगा। निलंबन आदेश जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना), पूर्वी चंपारण की ओर से जारी किया गया है। फिलहाल, मामले में पुलिस की जांच जारी है। शिक्षक पर लगे आरोपों की पुष्टि जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही हो सकेगी।

पोझिया आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य शिविर व जनसंवाद आयोजित, हर गुरुवार मनेगा 'जीविका आरोग्य दिवस'

बीडीओ सुजीत कुमार के मार्गदर्शन में हुआ आयोजन, निःशुल्क जांच व दवा वितरण के साथ लगाई गई पोषण प्रदर्शनी

बीएनएम@ वैशाली

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरुवार को लालगंज प्रखंड की राज बसंता जहानाबाद पंचायत स्थित पोझिया आयुष्मान आरोग्य मंदिर में जन आरोग्य समिति के तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर एवं जनसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सुजीत कुमार के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर बीडीओ सुजीत कुमार ने कहा कि विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय और जनसहभागिता से पंचायत स्तर पर प्रत्येक ग्रामीण को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रखंड प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई और जरूरत के अनुसार दवाओं का वितरण किया गया। साथ ही लोगों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन, किशोर स्वास्थ्य, उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह की जांच, मानसिक स्वास्थ्य और टेलीपरामर्श सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग और जीविका की संयुक्त पहल 'जीविका आरोग्य दिवस' का शुभारंभ किया गया। इसके तहत प्रत्येक गुरुवार को जीविका दीदियों के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं, आईसीडीएस और जीविका की ओर से पोषण प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसके माध्यम से संतुलित आहार एवं पोषण के महत्व की जानकारी दी गई। जिला सामुदायिक उत्प्रेरक (डीसीएम) निभा रानी सिन्हा ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीणों को गांव में ही स्वास्थ्य जांच, दवा और टेलीपरामर्श की सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि 'जीविका आरोग्य दिवस' की पहल से महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद मिलेगी। वहीं, जिला योजना समन्वयक (डीपीसी) विकास कुमार ने स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ प्रत्येक ग्रामीण तक पहुंचाने पर जोर दिया। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने दवाओं की उपलब्धता, नियमित स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाओं से संबंधित सुझाव रखे। इन सुझावों के आधार पर आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने की बात कही गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. जया ने कहा कि जनसंवाद का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की प्रक्रिया से जोड़ना और समुदाय की जरूरतों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। वहीं, पंचायत के मुखिया गणेश राय ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर को समुदाय और स्वास्थ्य व्यवस्था के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में डीपीसी विकास कुमार, डीसीएम निभा रानी सिन्हा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. जया, मुखिया गणेश राय, पंचायती राज विभाग, आईसीडीएस, जीविका एवं तकनीकी सहयोगी संस्था जपाइगो के प्रतिनिधियों के साथ लालगंज प्रखंड के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्वास्थ्य टीमें और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सैनिक रोड पर बड़ा हादसा टला, पानी में गिरी कार; चालक सुरक्षित

बीएनएम@ सिकटा (पश्चिमी चंपारण)

कंगली थाना क्षेत्र के बसंतपुर सैनिक रोड पर एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पानी में जा गिरी। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहत की बात यह रही कि कार चालक पूरी तरह सुरक्षित है और उसे किसी प्रकार की चोट नहीं आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बसंतपुर सैनिक रोड पर कार चलाने के दौरान चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे कार सड़क किनारे पानी में जा गिरी। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। हादसे में चालक के सुरक्षित बचने से लोगों ने राहत की सांस ली। गनीमत रही कि इस घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। घटना की तस्वीर में कार पानी में डूबी हुई दिखाई दे रही है। आसपास खेत और जंगली घास नजर आ रहे हैं। हादसे के कारण कुछ देर के लिए घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुटी रही।

घोड़ासहन सीएचसी में कथित वसूली से हड़कंप, मुफ्त इलाज पर उठे सवाल

» **प्रसव के नाम पर 2,000 से 2,200 रुपये लेने का है आरोप, रेबीज टीका, दवा और प्लास्टर के लिए भी पैसे मांगने की शिकायत**

बीएनएम@ विक्की विजेन्द्र

घोड़ासहन। सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज के दावों के बीच घोड़ासहन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। मरीजों और उनके परिजनों ने कथित अवैध वसूली, अस्पताल परिसर में बिचौलियों की मौजूदगी और इमरजेंसी वार्ड में ड्यूटी व्यवस्था को लेकर शिकायत की है। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के दौरान 2,000 से 2,200 रुपये तक की वसूली की जाती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में सीएचसी में 2,942 प्रसव हुए। यदि प्रत्येक प्रसव पर न्यूनतम 2,000 रुपये लेने के दावे की अगर पुष्टि होती है, तो कुल राशि 58 लाख 84 हजार रुपये होगी। हालांकि, यह केवल आरोपों पर आधारित अनुमान है, प्रमाणित वसूली नहीं है। बॉर्डर न्यूज़ मिरर भी इसकी पुष्टि नहीं करती है। शिकायतकर्ताओं के मुताबिक, कुत्ते के काटने पर रेबीज टीका, गर्भवती महिलाओं की दवा और चोट लगने पर प्लास्टर चढ़ाने के एवज में भी पैसे मांगे जाते हैं। अस्पताल परिसर में निजी लोगों और कथित बिचौलियों की गतिविधियों पर भी सवाल उठाए गए हैं। इमरजेंसी वार्ड को लेकर सामने आए वीडियो के संबंध में दावा किया गया है कि लैब टेक्नीशियन और सुरक्षा गार्ड से मरीजों की देखभाल से जुड़े काम कराए जा रहे हैं। सुरक्षा गार्ड द्वारा बिना दस्ताने बैंडेज काटने की बात भी कही गई है। हालांकि, वीडियो के संदर्भ और घटना की स्वतंत्र जांच जरूरी है। मामले में मरीजों के बयान, भुगतान संबंधी साक्ष्य, अस्पताल के रिकॉर्ड और कर्मचारियों की ड्यूटी की जांच आवश्यक है। फिलहाल, आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और सीएचसी प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है।

ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया

लूला की जीत से लैटिन अमेरिका में 'डोनरो डॉक्ट्राइन' लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति के मंसूबे पर पानी फिर गया है। आरोप है कि लूला को हराने में ट्रंप समर्थकों ने पूरा जोर लगा रखा था। ब्राजील में तमाम चुनाव-पूर्व अनुमानों को धता बताते हुए लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा का फिर से राष्ट्रपति चुन लिया जाना दूरगामी वैश्विक महत्त्व की घटना है। तीन हफ्ते पहले प्रथम चरण के चुनाव में लूला धुर- दक्षिणपंथी उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो से दो प्रतिशत वोट से पिछड़ गए थे। उसी रोज हुए संसदीय एवं प्रांतीय चुनावों में भी धुर-दक्षिणपंथी समूह को बड़ी जीत मिली थी। उसके मद्देनजर दूसरे चरण में लूला की जीत की संभावनाएं धूमिल थीं। लेकिन तीन हफ्तों में असाधारण चुनाव अभियान चला कर 80 वर्षीय लूला ने श्रमिक, मूलवासी, और प्रगतिशील तबकों की अभूतपूर्ण गोलबंदी की। उसका परिणाम उनकी जीत है, जिससे पूरे लैटिन अमेरिका में 'डोनरो डॉक्ट्राइन' लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया है। ट्रंप प्रशासन ने अपनी 'सुरक्षा नीति' में लैटिन अमेरिका में अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती-विहीन बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसमें उसे काफी सफलता मिली है। वहां एक के बाद दूसरे देश में ट्रंपवादी धुर-दक्षिणपंथी सरकारें हाल में सत्ता में आई हैं। अपवाद सिर्फ ब्राजील और मेक्सिको हैं। इसीलिए ब्राजील का चुनाव बेहद अहम हो गया था। गुजरे हफ्तों में ऐसी खबरें आईं कि पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लेवियो के समर्थन में अमेरिका की बड़ी तकनीक कंपनियों ने अपनी पूरी ताकत लगाई है। खासकर मेटा के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर बोल्सोनारो समर्थक सामग्रियों को खूब प्रसारित करने और लूला समर्थक सामग्रियों को प्रतिबंधित करने के आरोप लगे। ब्राजील का अभिजात्य वर्ग भी बोल्सोनारो के पक्ष में लामबंद था। चुनाव के दिन इल्जाम लगे कि कई राज्यों में दक्षिणपंथी नेताओं ने जानबूझ कर परिवहन सेवाओं में कटौती की। इतनी कि ऐन वक्त पर अदालत को मतदान का समय दो घंटे बढ़ाने का निर्णय देना पड़ा। यानी प्रतिकूल परिस्थितियों में लूला की संघर्ष भावना की जीत हुई है। इससे ब्रिक्स+ राहत की सांस लेगा। अंदेशा था कि बोल्सोनारो जीतते, तो विकासशील देशों के इस संगठन को कमजोर करने के ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ाते। साथ ही लूला की जीत से उदारपंथी समूह उत्साहित होंगे, जो दुनिया भर में इस समय धुर-दक्षिणपंथ के आक्रामक तेवर के निशाने पर हैं।

ईएसटीआईसी 2026: विज्ञान को विकसित भारत की आकांक्षाओं से जोड़ना

डॉ. जितेंद्र सिंह

समाज में परिवर्तन लाने का सबसे महत्वपूर्ण आधार मुख्य रूप से विज्ञान से ही आएगा। 28 फरवरी 2006 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में ये शब्द कहे थे। लगभग दो दशक बाद डॉ. कलाम के ये शब्द पूरी तरह सही साबित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तकनीक आधारित विकास को गति देते हुए 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत की इस प्रगति पर पूरी दुनिया का ध्यान गया है और उसने इसे स्वीकार भी किया है। विज्ञान का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि हम क्या खोजते हैं, बल्कि इस बात में भी है कि हमारी खोजें देश के लोगों के लिए क्या-क्या संभव बनाती हैं। वैज्ञानिक प्रगति का वास्तविक मूल्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाने, समस्याओं का समाधान करने और नए अवसर पैदा करने की उसकी क्षमता में निहित है।

भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षाएं केवल आर्थिक विकास और आधुनिक बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं हैं। इनमें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, अधिक उत्पादक कृषि, मजबूत उद्योग, युवाओं के लिए अधिक अवसर और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार भी शामिल हैं।

इन सभी आकांक्षाओं को पूरा करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि हम जो ज्ञान विकसित करें, वह सार्थक बदलाव लाने का माध्यम बने।

यही उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2026 का व्यापक उद्देश्य है। अपने दूसरे संस्करण में ईएसटीआईसी वर्ष 2025 में शुरू हुए राष्ट्रीय संवाद को आगे बढ़ा रहा है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उनके व्यावहारिक उपयोग के बीच संबंधों को और मजबूत करना है। यह सम्मेलन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी लोगों, स्टार्टअप से जुड़े उद्यमियों और युवा शोधकर्ताओं को एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए एक मंच पर लाता है। हमारे सामने कुछ सबसे महत्वपूर्ण सवाल ऐसे हैं, जिनका समाधान तत्काल आवश्यक है। वैज्ञानिक प्रगति किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में किस तरह मदद कर सकती है? अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है? भारतीय उद्योग उन्नत प्रौद्योगिकियां कैसे विकसित कर सकते हैं, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कैसे कर सकते हैं और महत्वपूर्ण वस्तुओं के आयात पर निर्भरता कैसे कम कर सकते हैं? अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर कैसे पैदा किए जा सकते हैं? इन सवालों का जवाब कोई एक संस्थान या विषय अपने दम पर नहीं दे सकता। इसके लिए वैज्ञानिकों को उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करना होगा, शोधकर्ताओं को व्यावहारिक जरूरतों को समझना होगा और नीति निर्माताओं को ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जिसमें संभावनाओं से भरे विचारों को परखा और विकसित किया जा सके। ईएसटीआईसी 2026 इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 12 विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित है। इनमें उन्नत विनिर्माण, ऊर्जा प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, महासागर विज्ञान एवं समुद्री प्रौद्योगिकी, क्वांटम संचार, सेमीकंडक्टर, कृषि प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, उन्नत स्वास्थ्य सेवा, इमर्सिव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में ऐसी संभावनाएं हैं, जिनका दायरा प्रयोगशालाओं से कहीं आगे तक फैला हुआ है। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में प्रगति भारत की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत कर सकती है। जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान स्वास्थ्य सेवाओं और विनिर्माण के क्षेत्र में नए रास्ते खोल सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स में होने वाले विकास औद्योगिक प्रक्रियाओं को बदल सकते हैं, जबकि कृषि और ऊर्जा के क्षेत्र में वैज्ञानिक कार्य अधिक कुशल एवं टिकाऊ कार्यप्रणालियों को बढ़ावा दे सकते हैं। सबसे बड़ी चुनौती इन संभावनाओं को व्यावहारिक उपयोग में बदलने की है। किसी वैज्ञानिक खोज में वर्षों का अनुसंधान लग सकता है, लेकिन उसे रोजमर्रा के उपयोग में लाने के लिए अक्सर आगे के परीक्षण, निवेश, इंजीनियरिंग और आपसी सहयोग की जरूरत होती है। हमें इस पूरी प्रक्रिया को मजबूत करना होगा, ताकि अनुसंधान से जुड़े शुरुआती सवाल से लेकर ऐसी तकनीक विकसित करने तक का सफर पूरा हो सके, जो वास्तविक लाभ पहुंचाए। भारत की वैज्ञानिक महत्वाकांक्षाएं अंततः उसके युवाओं की प्रतिभा और कल्पनाशीलता पर निर्भर करेंगी। किसी युवा शोधकर्ता के पास कोई संभावनाशील विचार है, तो उसे प्रस्तुत करने, अनुभवी वैज्ञानिकों से सीखने और ऐसे लोगों से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए, जो उस विचार को उपयोगी रूप देने में मदद कर सकें। ईएसटीआईसी 2026 'फ्रंटियर्स इन फोकस' सत्रों और 'यंग रिसर्चर्स एंड इनोवेटर्स पिच कॉर्नर' के माध्यम से इस प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है। 'नेक्स्ट-जेन डिस्कवरी एक्सपो' में भारत की अनुसंधान क्षमताओं और उभरते डीप-टेक तंत्र को प्रदर्शित किया जाएगा, जबकि 'इनोवेशन एक्सचेंज हब' तकनीकों और संभावित सहयोग के अवसरों पर संवाद को बढ़ावा देगा। वैज्ञानिक अनुसंधान और उद्यमिता को तेजी से एक-दूसरे का पूरक बनना होगा। विशेष रूप से डीप-टेक उद्यमों को किसी तकनीक को बाजार तक पहुंचाने से पहले अक्सर विशेष बुनियादी ढांचे, धैर्य के साथ किए जाने वाले निवेश और निरंतर सहयोग की आवश्यकता होती है। अनुसंधान संस्थानों के पास वैज्ञानिक विशेषज्ञता है, स्टार्टअप उद्यमशीलता की ऊर्जा लेकर आते हैं, उद्योग जगत उत्पादन संबंधी आवश्यकताओं और बाजार की जरूरतों को समझता है, जबकि निवेशक इस पूरी प्रक्रिया के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करा सकते हैं। जब ये सभी क्षमताएं एक साथ आती हैं, तो अनुसंधान को उपयोगी उत्पादों और सेवाओं में बदलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। ईएसटीआईसी 2026 ऐसी साझेदारियों को प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान करता है। इसके तकनीकी सत्रों और प्रदर्शनियों का उद्देश्य केवल उपलब्धियों को प्रदर्शित करना नहीं है, बल्कि ऐसे संवाद और विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना भी है, जिनसे आपसी सहयोग के नए रास्ते खुल सकें। विकसित भारत@2047 की यात्रा का निर्माण केवल सरकार के प्रयासों से नहीं हो सकता। न ही इसे वैज्ञानिक अनुसंधान के अलग-थलग प्रयासों के माध्यम से हासिल किया जा सकता है। इसके लिए अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, उद्योग जगत, उद्यमियों और युवा नवाचारकर्ताओं के संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है। डॉ. कलाम के शब्द आज भी हमें याद दिलाते हैं कि विज्ञान का अंतिम उद्देश्य समाज की सेवा करना होना चाहिए। विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ते हुए हमारी सफलता केवल इस बात पर निर्भर नहीं करेगी कि हम कौन-सी खोजें करते हैं, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करेगी कि उन खोजों से लोगों के जीवन में कितना बदलाव आता है। यही ईएसटीआईसी 2026 के पीछे की व्यापक आकांक्षा है- भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं को उसके लोगों की जरूरतों के और करीब लाना तथा नवाचार की संभावनाओं को राष्ट्र की प्रगति में बदलना।

(लेखक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग तथा कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं।)

81 साल बाद भी अधूरी है संयुक्त राष्ट्र की शांति-प्रतिज्ञा

योगेश कुमार गोयल

दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आव्हान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्तूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को 'संयुक्त राष्ट्र दिवस' मनाया जाने लगा। अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विड़म्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढ़ांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियां थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलस्तीन अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सका है। इसीलिए दुनिया में जगह-जगह युद्ध टालने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से ठोस योजनाओं पर अमल किए जाने की जरूरत महसूस होती रही है क्योंकि इस वैश्विक संस्था का गठन ही दुनिया में अमन-चैन कायम रखने के उद्देश्य के साथ किया गया था लेकिन चिंता की बात है कि इन युद्धों में उसकी निष्क्रियता समूची मानव सभ्यता पर भारी पड़ रही है। भीषण होते इन युद्धों के कारण दुनिया अब दो धड़ों में बंटती जा रही है और संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश भी अब केवल बयान जारी करने से आगे नहीं बढ़ रहे। बहरहाल, यदि अभी भी संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती है तो यह संस्था आने वाले समय में अपना महत्व खो देगी। (लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' पुस्तक के लेखक हैं)

मेष राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज जीवनसाथी के साथ आपकी नजदीकियां बढ़ेंगी। स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं को आप नजर अंदाज ना करें और किसी अपरिचित व्यक्ति से बहुत ही सूझबूझ दिखा कर बातचीत करें। आप अपने किसी पुराने वाद विवाद के कारण थोड़े परेशान रहेंगे, जिसमें आपको अपनी बात लोगों के सामने अवश्य रखनी होगी, नहीं तो समस्या हो सकती है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी नए निवेश को करने का मौका मिलेगा। आपको बिजनेस में किसी बड़ी डील को फाइनल करने में धोखा मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए तरक्की दिलाने वाला रहेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में आप पार्टनरशिप में काम ना करें और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो भी प्रयास करेंगे उसमें आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी। आपको बिजनेस में एक बड़ी सफलता मिलने के योग बनते दिख रहे हैं और परिवार में वरिष्ठ सदस्यों के साथ आप कहीं घूमने फिरने जाने की योजना बना सकते हैं।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है किसी संपत्ति में उसके चल व अचल पहलुओं की स्वाधीनता से जांच ले, नहीं तो समस्या हो सकती है। आज नकारात्मक विचारों से बचने की कोशिश करेंगे। साथ ही आज अच्छी खबर भी आपको मिल सकती है। रोजगार के मामले में किसी से सलाह जरूर करेंगे। आज आप अपने पारिवारिक समस्याओं में उलझे रहेंगे ।

सिंह राशि :आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति मिलने के संकेत दे रहा है। आज परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। जीवनसाथी को लेकर आप डिनर डेट पर लेकर जा सकते हैं। आप यदि किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा पूरी होगी और आप दिल खोलकर निवेश कर सकते हैं।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप अपने रुके हुए कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप अपनी उस एनर्जी को सही कामों में लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। अत्यधिक काम के कारण आपको थकान का अनुभव होगा, लेकिन आप फिर भी उस पर ध्यान नहीं देंगे। बच्चों के लिए आप उपहार लेकर आ सकते हैं।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को आज अपनी बात पर कायम रहना होगा, नहीं तो लोग आपको किसी मामले में झूठा साबित कर सकते हैं और व्यापार में आपके लिए गए निर्णय से आपको लाभ मिलेगा। व्यवसाय में यदि आप किसी के साथ साझेदारी में काम करना चाहते हैं, तो उसमें आप उसकी पूरी जांच पड़ताल आवश्यक करें।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अपनी वाणी और व्यवहार में संयम बनाए रखने का प्रयास करेंगे। बच्चों से आज अपने मन की बात को कहने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिलने से आपकी प्रशंसा का ठिकाना नहीं रहेगा। आप आज किसी धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। पारिवारिक समस्याओं से आपको राहत मिलेगी। आज आप किसी सामाजिक काम का हिस्सा बनेंगे। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज आप प्रतिदिन की दिनचर्या में सुबह की सैर को शामिल करेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आप अपने विचारों से कार्यक्षेत्र में माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। आपको कुछ मतभेदों से दूर रहना होगा। मामा पक्ष से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। आपके कुछ रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज काम-धंधे पर ज्यादा ध्यान देंगे। जहां तक हो सके, सकारात्मक और कॉन्फिडेंट रहें। आपके जरूरी कामकाज आज निपट सकते हैं। आज आस-पास के लोगों से कुछ नई बात सीखेंगे। आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाये रखने की जरूरत है।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज किसी नए वाहन की खरीदारी के लिए आप विचार करेंगे, लेकिन आप किसी यात्रा पर जाते समय अपने कीमती सामानों की सुरक्षा आवश्यक करें और मित्रों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में आपको जीत मिलेगी।

पंखों को मिली रफ्तार: सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों की शिक्षा की राह हुई आसान

विनोद सिंह

-दूरस्थ गांवों की छात्राओं के लिए साइकिल बनी स्कूल तक पहुंच का साधन, समय की बचत के साथ बढ़ा आत्मविश्वास

-सेदम की छात्राओं ने कहा— अब पैदल नहीं तय करनी पड़ती लंबी दूरी, समय पर पहुंच रहे स्कूल और पढ़ाई के लिए भी मिल रहा अतिरिक्त समय

गांव की पगडंडियों और लंबी सड़कों से होकर स्कूल पहुंचने वाली बेटियों के लिए एक साइकिल केवल दो पहियों का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा तक पहुंचने की राह आसान करने वाली साथी बन सकती है। घर से विद्यालय की दूरी, आने-जाने में लगने वाला समय, बदलता मौसम और परिवहन साधनों की कमी जैसी चुनौतियों के बीच सरस्वती साइकिल योजना दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय पहुंचने में मदद कर रही है। सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड स्थित शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राएं रजनी एक्का, गायत्री यादव, सोनिया, रजनी साहू और नीतू यादव भी इस बदलाव को अपने जीवन में महसूस कर रही हैं। कभी स्कूल पहुंचने के लिए पैदल लंबी दूरी तय करने वाली इन छात्राओं के लिए साइकिल मिलने के बाद आवागमन आसान हुआ है। समय की बचत हो रही है और किसी दूसरे व्यक्ति पर निर्भरता भी कम हुई है।

साइकिल नहीं, शिक्षा तक पहुंच आसान करने का माध्यमः छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से कक्षा 9वीं में अध्ययनरत पात्र छात्राओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा देने के साथ बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। योजना का महत्व विशेष रूप से उन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देता है, जहां घर और विद्यालय के बीच दूरी अधिक है तथा सार्वजनिक परिवहन के साधन सीमित हैं। ऐसी परिस्थितियों में प्रतिदिन पैदल स्कूल आना-जाना छात्राओं के लिए समय और श्रम दोनों की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होता है। साइकिल मिलने से यही दूरी कम समय में तय की जा सकती है। शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राएं बताती हैं कि साइकिल मिलने से पहले उन्हें स्कूल आने-जाने के लिए पैदल चलना पड़ता था। इससे काफी समय लगता था और थकान भी होती थी। गर्मी, बारिश और ठंड के दिनों में यह परेशानी और बढ़ जाती थी। अब साइकिल से वे कम समय में विद्यालय पहुंच रही हैं। समय पर स्कूल पहुंचने के साथ घर लौटने में भी कम समय लग रहा है। छात्राओं का कहना है कि आने-जाने में बचने वाला समय अब पढ़ाई और घर के अन्य जरूरी कार्यों में उपयोग हो रहा है। रजनी एक्का, गायत्री यादव, सोनिया, रजनी साहू और नीतू यादव का अनुभव बताता है कि आवागमन की एक सुविधा छात्राओं की रोजमर्रा की पढ़ाई को कितना आसान बना सकती है। अब उन्हें स्कूल पहुंचने के लिए किसी पर निर्भर रहने की जरूरत भी कम हुई है। छात्राओं ने बताया कि साइकिल मिलने के बाद विद्यालय तक आने-जाने में काफी सुविधा हुई है। पहले पैदल चलने में अधिक समय और श्रम लगता था। अब कम समय में स्कूल पहुंचने से नियमित पढ़ाई में मदद मिल रही है।

उनका कहना है कि साइकिल से आने-जाने में समय की बचत होने के कारण पढ़ाई के लिए अतिरिक्त समय मिलता है। घर के जरूरी काम और पढ़ाई के बीच बेहतर तालमेल बनाने में भी आसानी हुई है। इस सुविधा से विद्यालय जाने का उत्साह भी बढ़ा है और वे आगे मन लगाकर पढ़ाई करते हुए उच्च शिक्षा हासिल करना चाहती हैं। सरस्वती साइकिल योजना का प्रभाव केवल स्कूल तक की दूरी कम करने तक सीमित नहीं है। स्वयं साइकिल चलाकर विद्यालय जाना छात्राओं को अपने दैनिक आवागमन में अधिक आत्मनिर्भर भी बना रहा है। पहले जहां कई छात्राओं को पैदल चलना पड़ता था या किसी परिजन पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब वे स्वयं स्कूल पहुंच रही हैं। छात्राओं के लिए यह अनुभव आत्मविश्वास बढ़ाने वाला भी है। अपनी राह स्वयं तय कर स्कूल तक पहुंचना उन्हें आगे बढने और अपने शैक्षणिक लक्ष्यों के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। किसी भी समाज की प्रगति में बालिका शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालय तक पहुंच जितनी आसान होगी, छात्राओं के लिए नियमित रूप से शिक्षा से जुड़े रहना उतना ही सुविधाजनक होगा। दूरस्थ क्षेत्रों में साइकिल जैसी व्यक्तिगत आवागमन सुविधा इसी आवश्यकता को पूरा करने में मदद करती है। स्कूल की दूरी और परिवहन की परेशानी कम होने से छात्राओं को अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान देने का अवसर मिलता है। माध्यमिक शिक्षा से लगातार जुड़ी रहने वाली छात्राएं आगे उच्च शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों की ओर कदम बढ़ा सकती हैं।

एक शिक्षित बेटी, परिवार और समाज की ताकत : एक बेटी की शिक्षा का प्रभाव केवल उसके व्यक्तिगत भविष्य तक सीमित नहीं रहता। शिक्षित बालिका आगे चलकर परिवार में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और आर्थिक निर्णयों के प्रति अधिक जागरूक भूमिका निभा सकती है। इस तरह बेटियों की शिक्षा में किया गया सहयोग आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य की नींव भी तैयार करता है। शिक्षा बालिकाओं को अपने अधिकारों और अवसरों के प्रति जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पढ़ाई से लगातार जुड़ाव उन्हें अपने भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढने का अवसर देता है।

शिक्षा से मजबूत होती है बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकताः बालिकाओं का लगातार विद्यालय और शिक्षा से जुड़े रहना उनके सुरक्षित और बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षा उन्हें अपने अधिकारों, कानूनी प्रावधानों और जीवन में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देती है। इससे कम उम्र में विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी मदद मिलती है। जब बेटियां अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं और उच्च शिक्षा तथा भविष्य के लक्ष्य तय करती हैं, तब शिक्षा उनके जीवन में प्राथमिकता के रूप में मजबूत होती है। इसलिए विद्यालय तक उनकी सुगम पहुंच केवल आवागमन का विषय नहीं, बल्कि शिक्षा, जागरूकता और आत्मनिर्भर भविष्य से भी जुड़ी है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

पांच मैचों की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड पहुंचे भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल

एजेंसी, ऑकलैंड

भारतीय एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे श्रृंखला से पहले गुरुवार को ऑकलैंड पहुंच गए। इस श्रृंखला के साथ रोहित शर्मा और विराट कोहली की भी वनडे क्रिकेट में वापसी होगी। श्रृंखला का पहला मुकाबला 4 नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। गिल के साथ केएल राहुल और गुरनुर बरार भी न्यूजीलैंड पहुंच गए हैं और तीनों ने अभ्यास भी किया। गिल के न्यूजीलैंड पहुंचने पर स्थानीय प्रशंसकों और खिलाड़ियों ने उनसे मुलाकात की और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। अभ्यास के लिए रवाना होने से पहले वह अपने पुराने मित्र और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ बातचीत करते नजर आए। अभिषेक ने पिछले मुकाबले में वेलिंगटन में

न्यूजीलैंड के खिलाफ 38 गेंदों पर नाबाद 113 रन की विस्फोटक पारी खेली थी, जिससे भारत ने 199 रन का लक्ष्य हासिल किया था। गिल ने अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी भी की। ऑस्ट्रेलिया के पिछले साल के दौरे में निराशाजनक प्रदर्शन और इस साल इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला गंवाने के बाद बतौर वनडे कप्तान यह उनका तीसरा विदेशी दौरा होगा। वह इस दौरे पर अपनी लय बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगे। गिल ने इस साल वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 12 मैचों की 11 पारियों में 111.87 की औसत और 118.70 के स्ट्राइक रेट से 895 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और पांच अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 223 रन रहा है। वेस्टइंडीज के भारत दौरे पर भी गिल ने दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने तीन मैचों में 334 रन बनाए, जिसमें केरल में 110 रन और गुवाहाटी में 406 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए खेली गई नाबाद 223 रन की पारी शामिल रही। हालांकि, अंतिम वनडे में वह केवल एक रन बनाकर आउट हो गए थे। इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गिल ने 15 मैचों की 15 पारियों में 91.25 की औसत से 1,095 रन बनाए हैं। इसमें चार शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। कप्तान के तौर पर भी गिल का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने 31 मैचों में 37 पारियों के दौरान 72.83 की औसत से 2,258 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम नौ शतक और नौ अर्धशतक दर्ज हैं। कप्तान के रूप में उनका सर्वोच्च स्कोर 269 रन है।

मुंबई इंडियंस ने लसिथ मलिंगा, पारस म्हाम्ब्रे और हॉपकिन्सन से नाता तोड़ा

एजेंसी, मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने अपनी पुरुष टीम के कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव करते हुए लसिथ मलिंगा, पारस म्हाम्ब्रे और कार्ल हॉपकिन्सन से अलग होने की घोषणा की है। फ्रेंचाइजी ने तीनों के योगदान, प्रतिबद्धता और सेवाओं के लिए आभार जताया है। इससे पहले टीम ने आईपीएल के मुख्य कोच महेला जयवर्धने से भी नाता तोड़ लिया था। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा मुंबई इंडियंस के सबसे चर्चित खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने टीम के गेंदबाजी आक्रमण की

अगुआई करते हुए चार आईपीएल खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वह 2011 में चैंपियंस लीग टी20 का खिताब जीतने वाली मुंबई की टीम का भी हिस्सा थे। खिलाड़ी के रूप में टीम से जुड़ने के बाद मलिंगा ने मेंटर और कोच की भूमिका भी निभाई। फ्रेंचाइजी ने उनके जुनून, प्रतिस्पर्धी भावना और टीम के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनकी विरासत हमेशा मुंबई इंडियंस के इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा रहेगी। पारस म्हाम्ब्रे का मुंबई इंडियंस के साथ लंबा जुड़ाव रहा। वह 2010 से 2017 तक टीम के साथ थे और 2024 में दोबारा फ्रेंचाइजी से जुड़े। भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच म्हाम्ब्रे ने अपने दोनों कार्यकाल में गेंदबाजों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें विकसित करने में अहम योगदान दिया। फ्रेंचाइजी ने उनके अनुभव, समर्पण और टीम की कार्यसंस्कृति की गहरी समझ की सराहना की।

रवि, देवांश और देवांशु के दम पर श्याम लाल कॉलेज की शानदार जीत

एजेंसी, नई दिल्ली

रवि राज की नाबाद अर्धशतकीय पारी और देवांश बिष्ट व देवांशु की घातक गेंदबाजी के दम पर श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में शानदार जीत दर्ज की। कॉलेज ने जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य) को आठ विकेट से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। श्याम लाल कॉलेज के कप्तान अनिर्बान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनका यह निर्णय गेंदबाजों ने सही साबित किया और जाकिर हुसैन

दिल्ली कॉलेज (सांध्य) की टीम 25.2 ओवर में 144 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से गीतांश ने 23 और कुणाल ने 22 रन बनाए। श्याम लाल कॉलेज की ओर से देवांश बिष्ट ने 34 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि देवांशु ने 38 रन देकर चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। 145 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) की टीम ने 22.4 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। रवि राज ने नाबाद 66 रन की शानदार पारी खेली, जबकि आयुष ने 40 रन बनाकर जीत में अहम योगदान दिया। इस तरह श्याम लाल कॉलेज ने आठ विकेट से मुकाबला जीतकर प्रतियोगिता के अगले दौर में जगह बनाई।

आयरलैंड के लेग स्पिनर बेन व्हाइट ने 28 साल की उम्र में लिया संन्यास

एजेंसी, डबलिन। आयरलैंड के लेग स्पिनर बेन व्हाइट ने 28 साल की उम्र में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद सॉफ्टवेयर विकास कंपनी पर्सोनियो में नई जिम्मेदारी संभाली है। वह कंपनी में यूके और आयरलैंड क्षेत्र के लिए बिजनेस डेवलपमेंट प्रतिनिधि के रूप में काम करेंगे। व्हाइट ने जुलाई, 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने आयरलैंड के लिए तीनों प्रारूपों में कुल 43 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच पिछले साल दिसंबर में था। उन्हें आयरलैंड की टीम में लंबे समय तक कलाई के स्पिनर की कमी पूरी करने वाले खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा था। व्हाइट ने 38 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 36 विकेट लिए। वह 2021, 2024 और 2026 के टी20 विश्व कप के लिए आयरलैंड की टीम का हिस्सा रहे। हालांकि, इन तीनों टूर्नामेंट में उन्हें कुल तीन मैच खेलने का मौका मिला। लंबे प्रारूपों में उन्हें सीमित अवसर मिले। उन्होंने 2023 में दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और तीन टेस्ट मैच खेले। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट पदार्पण पर उन्होंने तीन विकेट लिए थे।

हाइलो ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची पीवी सिंधु, अश्मिता बाहर

एजेंसी, सारब्रुकेन (जर्मनी)

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने हाइलो ओपन 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए यूएई की प्रकृति भरत को सीधे गेम में हराकर महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं, भारत की अश्मिता चालिहा को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में भरत को महज 28 मिनट में 21-10, 21-10 से शिकस्त दी। अब उनका सामना फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकसारी से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक

विजेता सिंधु फ्रेंच ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद इस प्रतियोगिता में उतरी हैं। उन्होंने फ्रेंच ओपन के फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर, महिला एकल में भारत की अश्मिता चालिहा का सफर पहले दौर में ही समाप्त हो गया। उन्हें बुल्गारिया की कालोयाना नलबांतोवा ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 21-12, 21-8 से हराया। अश्मिता ने भी पेरिस में फ्रेंच ओपन में अच्छा प्रदर्शन किया था और क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने जापान की अकाने यामागुची को हराकर प्रभावित किया था, लेकिन हाइलो ओपन में वह अपना पिछला प्रदर्शन दोहरा नहीं सकीं।

बिजनेस

करवा चौथ के दिन बढ़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

करवा चौथ के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 600 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। चांदी आज भी सोमवार के भाव पर टिकी हुई नजर आ रही है। सोने की कीमत में उछाल आने के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु

दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,19,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मारुति सुजुकी इंडिया का इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात 50 हजार इकाई के पार

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) का अगस्त, 2025 से अक्टूबर, 2026 के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के निर्यात का आंकड़ा 50 हजार इकाई को पार कर गया है। कंपनी ने अगस्त, 2025 में ही वैश्विक बाजारों में ईवी की आपूर्ति शुरू की थी। कंपनी ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि अप्रैल-सितंबर, 2026 के दौरान भारत से हुए इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों के कुल निर्यात में उसकी हिस्सेदारी करीब 93 फीसदी रही। मारुति सुजुकी ने बताया कि ई-विटारा का उत्पादन अगस्त, 2025 में गुजरात स्थित हंसलपुर संयंत्र में शुरू हुआ था। इस वाहन को 100 से अधिक देशों में बिक्री के लिए तैयार किया गया है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा, "आज मारुति सुजुकी लगभग 50 देशों में इलेक्ट्रिक वाहन का निर्यात कर रही है, जिनमें यूरोप सबसे बड़ा बाजार है।

सर्वा फोम इंडस्ट्रीज स्कॉटलैंड में 6 मिलियन पाउंड का शुरुआती निवेश करेगी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी रीबॉन्डेड पॉलीयुरेथेन (पीयू) फोम निर्माता और निर्यातक कंपनी 'सर्वा फोम इंडस्ट्रीज लिमिटेड' ने स्कॉटलैंड में एक नई विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए छह मिलियन पाउंड के शुरुआती निवेश करने की घोषणा की है। यह स्कॉटलैंड में कंपनी के प्रस्तावित विस्तार का पहला चरण है। स्कॉटलैंड के फर्स्ट मिनिस्टर जॉन स्विनी ने गुरुवार को 'सर्वा फोम' के कार्यालय के दौरे के दौरान इस घोषणा का स्वागत किया। यह प्रस्तावित निवेश यूरोप में कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग उपस्थिति और सप्लाई चेन को बढ़ाने पर भी केंद्रित है। इससे भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, सप्लाई चेन की बाधाओं और परिवहन की अधिक लागत जैसे जोखिमों को कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे भारत के बाहर के बाजारों में परिचालन दक्षता बढ़ेगी, लागत का बेहतर प्रबंधन होगा और भारत तथा स्कॉटलैंड के बीच आर्थिक संबंध मजबूत होंगे। सर्वा फोम इंडस्ट्रीज के सीएमडी कुणाल

गियानी ने कहा कि हम स्कॉटलैंड में फोम-रीसाइक्लिंग मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने की योजना बना रहे हैं, जिसमें लगभग 6 मिलियन पाउंड का शुरुआती निवेश होगा। उन्होंने कहा कि अपनी विनिर्माण विशेषज्ञता का इस्तेमाल करते हुए बेकार फोम को कारपेट अंडरले और फ्लोरिंग उत्पादों में हम बदलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इससे कचरा लैंडफिल में जाने से बचेगा और स्कॉटलैंड की सर्कुलर इकोनॉमी (चक्रीय अर्थव्यवस्था) तथा 'नेट ज़ीरो' लक्ष्यों को हासिल करने में भी मदद मिलेगी। गियानी ने कहा कि अगर पहला चरण सफल रहता है और व्यापक कमर्शियल तथा फंडिंग व्यवस्था पक्की हो जाती है, तो तीन वर्षों में कुल निवेश 12 मिलियन पाउंड तक पहुंच सकता है। इससे स्कॉटलैंड में सौ तक नई नौकरियां पैदा हो सकती हैं, जिनमें कुशल मैन्युफैक्चरिंग पद शामिल होंगे। स्कॉटलैंड के फर्स्ट मिनिस्टर मिस्टर जॉन स्विनी ने कहा कि सर्वा फोम का यह नियोजित निवेश एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे भारतीय पूंजी स्कॉटलैंड में विकास को बढ़ावा देने, समृद्धि लाने और नौकरियां पैदा करने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से सस्टेनेबिलिटी और रिसोर्स रिकवरी को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही स्कॉटलैंड और भारत के बीच व्यापारिक संबंध भी मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल और इस्तेमाल की गई सामग्रियों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए यह नई सुविधा 'नेट ज़ीरो' की ओर बढ़ते हुए हरित और टिकाऊ नौकरियों को बढ़ावा देने के हमारे लक्ष्यों में भी योगदान देगी। स्विनी ने कहा कि भारत के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करना, स्कॉटलैंड के कई व्यवसायों और वहां की अर्थव्यवस्था के लिए एक सुनहरा अवसर है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत के बावजूद एशिया में बिकवाली का दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। इसके साथ ही, डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल शानदार बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला माहौल बना रहा, जहां दो प्रमुख सूचकांकों में मजबूती दिखी, लेकिन एक सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजार में आज कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है, जहां अधिकांश प्रमुख सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि

सिर्फ एक बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। बुधवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अपनी मुख्य नीतिगत दर को अपरिवर्तित रखने के फैसले के बाद अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 97.53 अंक यानी 0.19 प्रतिशत बढ़ कर 52,475.10 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं एसएंडपी 500 इंडेक्स में 21.37 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की तेजी आई, जिसके कारण यह सूचकांक 7,743.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके साथ ही नैस्डैक कंपोजिट भी 72.04 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,549.85 के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज सुबह फिलहाल 207.47 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की मजबूत बढ़त के साथ 52,682.57 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 113.25 अंक यानी 0.44 प्रतिशत उछल कर 25,704.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

ईएसआईसी ने नई माफी योजना की समय-सीमा 31 दिसंबर तक बढ़ाई

एजेंसी, नई दिल्ली । कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने नई माफी योजना-2025 की अंतिम तिथि को तीन महीने के लिए बढ़ाते हुए 31 दिसंबर 2026 तक कर दिया है। पहले ये योजना पहले 30 सितंबर 2026 को समाप्त होने वाली थी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने विभिन्न हितधारकों के अभ्यावेदनों की समीक्षा के बाद नई माफी योजना- 2025 की अवधि मौजूदा नियमों और शर्तों के तहत तीन महीने के लिए बढ़ा दी है। यह योजना पहले एक अक्टूबर 2025 से 30 सितंबर 2026 तक लागू थी, जो अब 31 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगी। मंत्रालय के अनुसार नई माफी योजना-2025 एक बार की विवाद समाधान पहल है, जिसका उद्देश्य अदालतों में लंबित मामलों की संख्या को कम करना और पूर्ववर्ती ईएसआई अधिनियम के तहत अनुपालन को बढ़ावा देना है। यह योजना नियोक्ताओं को ईएसआईसी के साथ कानूनी विवादों का अदालत के बाहर निपटारा करने के लिए एक सुव्यवस्थित तंत्र उपलब्ध कराती है।

इसके तहत निम्नलिखित प्रावधान हैं : वास्तविक अंशदान और ब्याज का भुगतान करके तदर्थ निर्धारण का निपटारा किया जा सकता है। ऐसे मामलों में कोई हर्जाना नहीं लगाया जाएगा।

जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर में लगातार दूसरे दिन तेजी, बाजार पूंजीकरण 13.72 लाख करोड़ रुपये के पार

एजेंसी, नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की डिजिटल सेवा और तकनीक सहायक कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के शेयर में गुरुवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी है। कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 5 फीसदी से अधिक चढ़ गया। इस बढ़त के साथ कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) भी बढ़कर 13.72 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। स्टॉक एक्सचेंज के जारी आंकड़ों के अनुसार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का फीसदी 5.12 फीसदी की बढ़त के साथ 1,490 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

(एनएसई) पर शेयर 5.09 फीसदी की बढ़त के साथ 1,489.70 रुपये पर कारोबार कर रहा था। बीएसई पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 66,903.61 करोड़ रुपये बढ़कर 13,72,145.59 करोड़ रुपये हो गया। जियो प्लेटफॉर्म्स का शेयर अपने 1,119 रुपये के निर्गम मूल्य से दोनों प्रमुख शेयर बाजार में 33 फीसदी से अधिक ऊपर कारोबार कर रहा है। इससे पहले जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की थी। कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से करीब 27 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ था। इसके साथ ही कंपनी बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई थी। कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 1,358 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ था, जो इसके निर्गम मूल्य से 21.36 फीसदी अधिक था। बीएसई पर शेयर 26.66 फीसदी की बढ़त के साथ 1,417.35 रुपये पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान इसने 1,423.80 रुपये का उच्चतम स्तर भी छुआ था।

रवि तेजा और विवेक आत्रेय की नई फिल्म ‘तुलाभारम का आगाज, ‘मास महाराजा से ‘क्राइम महाराजा बने अभिनेता

द दक्षिण भारतीय सिनेमा के चर्चित अभिनेता रवि तेजा और निर्देशक विवेक आत्रेय अपनी आगामी फिल्म ‘तुलाभारम के लिए पहली बार साथ आए हैं। फिल्म का शुभारंभ पारंपरिक पूजा समारोह के साथ किया गया। ब्रिज प्रोडक्शंस के बैनर तले लक्ष्मण और श्रीनी राव इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म में रवि तेजा की दमदार अभिनय शैली के साथ विवेक आत्रेय की अलग तरह की कहानी कहने की कला देखने को मिलेगी। इसे अपराध पर आधारित नाटकीय फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म के निर्माताओं ने एक विशेष वीडियो के माध्यम से इसके शीर्षक की घोषणा की। ‘द टाइटल डॉक्यूमेंट्री नाम से तैयार इस वीडियो को ‘माई होम राम ने जारी किया। मनोरंजक और हास्यपूर्ण अंदाज में बनाए गए इस वीडियो में फिल्म के लिए उपयुक्त शीर्षक चुनने के दौरान टीम के अनुभवों और दिलचस्प घटनाओं को दिखाया गया है। इस अनूठे प्रचार वीडियो ने फिल्म की कहानी और इसके पीछे काम कर रही रचनात्मक टीम को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म की विषयवस्तु और कलाकारों के संयोजन को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। रवि तेजा को आमतौर पर उनकी दमदार पर्दे पर मौजूदगी और जोशीले किरदारों के लिए ‘मास महाराजा कहा जाता है। हालांकि, ‘तुलाभारम की घोषणा में उन्हें ‘क्राइम महाराजा के रूप में पेश किया गया है। इससे संकेत मिलता है कि फिल्म में दर्शकों को उनके अभिनय का एक अलग अंदाज देखने को मिल सकता है।

फिल्म के शीर्षक संबंधी वीडियो में अन्य प्रमुख कलाकारों के किरदारों का भी परिचय दिया गया। तरुण भास्कर देवराज, प्रियंका मोहन कृष्णवेणी, अनस्वरा राजन साउंड, जेडी चक्रवर्ती शिवाजी राव, अनिल करेला जडेजा और रवि एंथनी रॉबिन की भूमिका निभाएंगे। फिल्म के शुभारंभ समारोह में दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। निर्देशक वी.वी. विनायक ने फिल्म की पटकथा सौंपी, जबकि चंदू ने कैमरा चालू किया और अभिनेता श्री विष्णु ने क्लैपबोर्ड बजाकर फिल्म की शुरुआत का संकेत दिया।

शिवा निर्वाण और बॉबी ने फिल्म का पहला दृश्य निर्देशित किया। ‘तुलाभारम के संगीत की जिम्मेदारी विवेक सागर को सौंपी गई है। थेनी ईश्वर आईएससी फिल्म के छायांकन का काम संभालेंगे, जबकि रवितेजा गिरिजाला संपादन करेंगे। वहीं, जीएम शेखर फिल्म के कला निर्देशन और निर्माण संबंधी दृश्यात्मक तैयारियों की जिम्मेदारी निभाएंगे। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद है। रवि तेजा और विवेक आत्रेय की इस नई जोड़ी से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। हालांकि, फिल्म की कहानी, रिलीज की तारीख और अन्य विवरणों को लेकर निर्माताओं की ओर से आगे की घोषणाओं का इंतजार है।

‘सीता रामम’ में पहले रश्मिका वाले रोल के लिए हुआ था संपर्क, फिर मिली ‘सीता’ की मुख्य भूमिका

बॉ बॉलीवुड मशहूर अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने हाल ही में खुलासा किया कि फिल्म सीता रामम में रश्मिका मंदाना के किरदार के लिए पहले उनसे संपर्क किया गया था। हालांकि, निर्देशक हनु राघवपुडी को लगा कि मृणाल फिल्म में सीता की भूमिका निभाने के लिए ज्यादा उपयुक्त हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जब उन्होंने पहली बार फिल्म की कहानी सुनी थी, तो वह भावुक हो गई थीं। मृणाल ने कहा, नाग अश्विन सर ने मेरी फिल्म देखी और मैंने उनकी फिल्म महानटी देखी। इसके बाद उन्होंने मुझसे संपर्क किया और कहा कि एक फिल्म है, जिसकी कहानी मुझे सुननी चाहिए। उस समय, वह मुझे उस किरदार के बारे में बताने आए थे, जो रश्मिका ने निभाया है, लेकिन अचानक हनु सर को लगा कि नहीं, यही मेरी सीता है। वहीं मेरे मन की आवाज भी यही कह रही थी कि मुझे ही सीता बनना है।

मृणाल ने आगे कहा, मैंने सर से कहा कि राजकुमारी बनना मेरा सपना था और मुझे खुशी है कि मुझे ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला। इसी तरह सीता रामम मिली। मेरे मन की आवाज मुझसे कह रही थी कि मुझे ही सीता बनना है; सीता रामम में मृणाल ठाकुर के अलावा कोई और सीता का किरदार नहीं निभा सकता। जब मैंने कहानी सुनी, तो मैं रो पड़ी और उन सभी भावनाओं को गहराई से महसूस किया। 2022 में रिलीज हुई सीता रामम तेलुगु रोमांटिक ड्रामा है, जिसका निर्देशन हनु राघवापुडी ने किया है। इसमें मृणाल और रश्मिका के अलावा दुलकर सलमान भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में मृणाल का अभिनय उनके करियर के सबसे यादगार किरदारों में से एक है।

मशहूर शो वसुधा से जुड़ीं कम्या पंजाबी सबकी जिंदगी में मचाएंगी भूचाल

जी जी टीवी के लोकप्रिय धारावाहिक ‘वसुधा’ में इन दिनों दर्शकों को जबरदस्त मोड़ और हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिल रहा है। वसुधा और देव की शादी के चर्चित और ड्रामेटिक ट्रैक के बाद शो की कहानी में थोड़ी स्थिरता आई ही थी कि अब निर्माताओं ने एक नया और बड़ा धमाका करने की पूरी तैयारी कर ली है। भारतीय टेलीविजन की मशहूर और मंझी हुई अभिनेत्री काम्या पंजाबी की शो में एक बेहद शक्तिशाली और नए किरदार के साथ ग्रैंड एंट्री होने जा रही है। शो में काम्या पंजाबी ‘रुद्राणी सिंह शेखावत’ के किरदार में नजर आएंगी। रुद्राणी का किरदार अमेरिका से लौटी एक हाई-सोसाइटी, आत्मनिर्भर और बेहद शातिर कारोबारी प्रतिद्वंद्वी का है। उनकी एंट्री शो के मुख्य किरदारों वसुधा और चंद्रिका के जीवन में नई सुनामी लाने वाली है। रुद्राणी की अलग सोच, तीखा कारोबारी रवैया और दबंग अंदाज चंद्रिका सिंह शेखावत के साम्राज्य को चुनौती देगा, जिससे कहानी में संघर्ष और भी गहरा हो जाएगा। अपनी नई भूमिका को लेकर काम्या पंजाबी भी काफी उत्सुक और रोमांचित हैं। शो में अपनी एंट्री पर बात करते हुए काम्या ने कहा कि ‘वसुधा’ को दर्शकों द्वारा जिस तरह का प्यार और सराहना मिल रही है, वह बेहद काबिले तारीफ है। जब दर्शक किसी शो की कहानी और उसके किरदारों से दिल से जुड़ जाते हैं, तो एक कलाकार के तौर पर उस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना बहुत संतोषजनक होता है। काम्या ने आगे बताया कि रुद्राणी का किरदार एक बहुआयामी और परतों से भरा रोल है। यह किरदार केवल नकारात्मकता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक मजबूत बिजनेस एक्यूमेन और अलग तरह का स्वाभिमान है। काम्या का कहना है कि वे इस किरदार की गहराई को समझकर पर्दे पर उतारने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उन्हें उम्मीद है कि उनकी एंट्री से शो में जो नया मोड़ आएगा, उसे दर्शक खूब पसंद करेंगे। हाल ही में वसुधा और देव की शादी के ड्रामेटिक मोड़ ने दर्शकों को टीवी स्क्रीन से बांधे रखा था। शादी का यह ड्रामा खत्म होने के बाद दर्शकों को लगा था कि शायद शेखावत परिवार में अब शांति का माहौल रहेगा, लेकिन रुद्राणी सिंह शेखावत का आगमन इस शांति को फिर से तूफान में बदलने वाला है। काम्या पंजाबी का यह नया अवतार ‘वसुधा’ के आने वाले एपिसोड्स के रोमांच को कई गुना बढ़ा देगा।

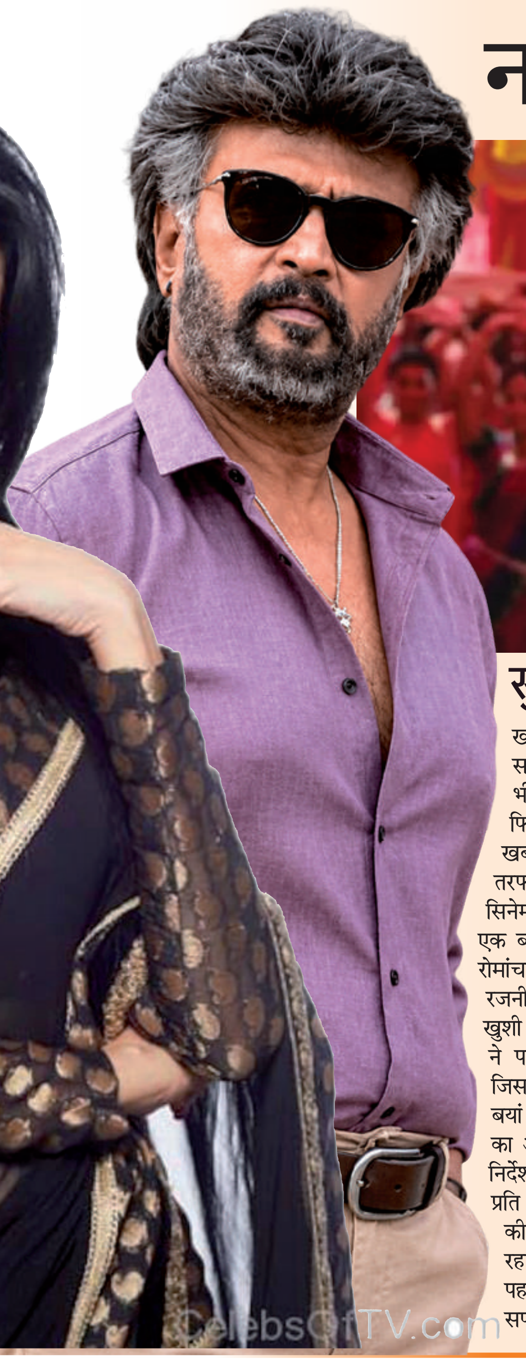

धर्मन में रजनीकांत के साथ हुई नयनतारा की जबर्दस्त एंट्री

सु सुपर स्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म धर्मन को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। फिल्म में उनके साथ साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा की एंट्री भी हो गई है। सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म के निर्देशक अश्वथ मारिमुथु ने इस खबर की पुष्टि की। साथ ही, पूरी टीम की तरफ से नयनतारा का शानदार स्वागत किया। सिनेमा प्रेमियों के लिए इन दो बड़े दिग्गजों को एक बार फिर से पर्दे पर एक साथ देखना बेहद रोमांचक होने वाला है। इस घोषणा के बाद से ही रजनीकांत और नयनतारा के चाहने वालों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है। फिल्म के निर्माताओं ने पहले एक रहस्यमयी पोस्ट साझा की थी, जिसमें लिखा गया था कि कुछ आंखें सब कुछ बयां कर देती हैं और एक करिश्माई शख्सियत का आगमन होने जा रहा है। इसके तुरंत बाद निर्देशक ने नयनतारा का स्वागत करते हुए उनके प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। फिल्म धर्मन की शूटिंग का काम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। निर्देशक अश्वथ मारिमुथु ने कुछ समय पहले ही फिल्म के तीसरे व्यस्त शेड्यूल के सफलतापूर्वक पूरा होने की जानकारी दी थी।

इस बीच, फिल्म में एक अन्य प्रमुख भूमिका निभा रही प्रतिभावान अभिनेत्री राशी खन्ना ने भी मैसूर शेड्यूल की अपनी कुछ खूबसूरत झलकियां साझा की थीं। उन्होंने बताया था कि मैसूर में सुबह जल्दी उठकर रजनीकांत और सह-कलाकार राम पोथिनेनी के साथ वर्कआउट करना उनके लिए एक अद्भुत अनुभव रहा। इसके अलावा, शूटिंग के दौरान मंदिर के दर्शन, घूमना-फिरना और मैसूर डोसा का आनंद लेना पूरी टीम के लिए यादगार बन गया। फिल्म धर्मन का निर्माण राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल और टर्मरिक मीडिया के प्रतिष्ठित बैनर तले किया जा रहा है। इसके निर्माण की जिम्मेदारी दिग्गज अभिनेता कमल हासन और आर. महेंद्रन संभाल रहे हैं, जबकि एस. डिज्नी इसके सह-निर्माता हैं। फिल्म के तकनीकी पक्ष को भी बेहद मजबूत रखा गया है। संगीत की कमान मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के हाथों में है, जो अपने ऊर्जावान संगीत के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी निकेत बोम्मी द्वारा की जा रही है, जबकि संपादन का महत्वपूर्ण कार्य प्रदीप ई. राघव संभाल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि रजनीकांत और नयनतारा की जोड़ी का तमिल सिनेमा में बेहद सफल इतिहास रहा है। इससे पहले ये दोनों दिग्गज चार बड़ी फिल्मों में एक साथ नजर आ चुके हैं, जिनमें चंद्रमुखी, कुसेलन, दरबार और अन्नात्थे शामिल हैं।

खांसी का इलाज बन सकता है शहद, लेकिन इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

खां खांसी एक आम समस्या है, जिससे हर कोई कभी न कभी गुजरता है। इसे दूर करने के लिए कई लोग शहद का सेवन करते हैं। शहद में कीटाणुओं को रोकने वाले और शरीर के लिए फायदेमंद गुण होते हैं, जो खांसी को कम करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, शहद का उपयोग करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कि खांसी के लिए शहद का इस्तेमाल करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। खांसी के लिए अच्छा शहद चुनना बहुत जरूरी है। बाजार में कई प्रकार के शहद उपलब्ध हैं, लेकिन सभी एक जैसे नहीं होते। असली और प्राकृतिक शहद ही सबसे ज्यादा असरदार होता है। इसलिए हमेशा भरोसेमंद और प्रमाणित शहद खरीदें। इसके अलावा बिना किसी प्रक्रिया के तैयार किया गया शहद भी अच्छा विकल्प हो सकता है क्योंकि इसमें सभी पोषक तत्व बने रहते हैं। शहद की मात्रा का ध्यान रखना भी अहम है।

जरूरत से ज्यादा शहद खाने से नुकसान हो सकता है। आमतौर पर एक चम्मच शहद रोजाना पर्याप्त होता है। इसे खाली पेट या हल्के गुनगुने पानी में मिलाकर लिया जा सकता है। इससे आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलेंगे और खांसी में भी राहत मिलेगी। इसके अलावा शहद का सीमित सेवन करने से आपको अधिक लाभ होगा और आप स्वस्थ रहेंगे। बच्चों के लिए शहद का सेवन करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। एक साल से छोटे बच्चों को शहद न दें क्योंकि इसमें कुछ हानिकारक तत्व हो सकते हैं, जो उनके लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसके अलावा छोटे बच्चों की खांसी का इलाज करने से पहले हमेशा डॉक्टर से सलाह लें ताकि उनकी सेहत पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। बच्चों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, इसलिए उन्हें शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ ही दें। गर्भवती महिलाओं को भी शहद का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। गर्भावस्था के दौरान शरीर में कई बदलाव होते हैं, जिससे महिला की सेहत प्रभावित हो सकती है। इसलिए गर्भवती महिलाओं को सलाह दी जाती है कि वे अपने डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही किसी भी प्रकार का आहार परिवर्तन करें।

इसके अलावा वे अपनी डाइट में शहद शामिल करने से पहले उसकी मात्रा और गुणवत्ता पर ध्यान दें। अगर आपकी खांसी लंबे समय तक ठीक नहीं होती या बहुत ज्यादा परेशान कर रही हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। शहद एक प्राकृतिक उपाय हो सकता है, लेकिन यह हर स्थिति में कारगर नहीं होता। डॉक्टर आपकी समस्या का सही निदान कर सकते हैं और उचित इलाज बता सकते हैं। इस प्रकार इन बातों का ध्यान रखकर आप सुरक्षित तरीके से शहद का उपयोग करके अपनी खांसी को कम कर सकते हैं।

BRIFF NEWS

SC: Cannot let pharma industry 'run amok' in name of free market

New Delhi, Agency: Supreme Court Tuesday said the pharma industry cannot be allowed to "run amok" in the name of free market to fix the maximum retail price (MRP) of medicines at an exponentially high level, which in some cases happens to be over 1,000% of the price at which they are sold to retailers.

Expressing anguish over the suffering of the common man who had to pay the price, a bench of Justices Vikram Nath and Sandeep Mehta said the court is "pained by the loot" and repeatedly asked Centre to explain the rationale behind allowing a high MRP and who ultimately benefits from the policy. It reserved its order on plea to bring all non-patented medicines and medical consumables under price control mechanism like scheduled drugs.

Additional solicitor general Aishwarya Bhati, who had to face a volley of questions from the bench, tried to convince the court that govt was aware of the problem and that was why it recently decided to cap the price of anti-cancer drugs. But the court responded that govt "woke up" only after it intervened and passed harsh observations on the prevailing system. She, however, said the deliberation was already on and SC's intervention expedited it. "People are living in a daydream that someday they will benefit from the drugs prices control order (DPCO)... The policy is only to give benefit to the corporate.

Omar inducts 4 ministers, dissent spills over in NC ranks

Srtinagar, Agency: J&K CM Omar Abdullah's cabinet expansion triggered open dissent, protests and allegations of internal bias in National Conference after four ministers were inducted Tuesday. MLA Abdul Majeed Larmi, who had expected a berth until the last moment, broke down and other legislators accused the party brass of shutting them out.

Lieutenant governor Manoj Sinha administered the oath to Ali Mohammad Sagar, Shamima Firdous, Mir Saifullah and Altaf Ahmad Kaloo, taking the cabinet's strength to nine, including Omar. He dropped Satish Sharma, leaving only two ministers from Jammu region - deputy CM Surinder Choudhary and Javed Ahmed Rana.

Legislators alleged a lack of internal democracy. "I am a law graduate, while the MLA chosen has not even passed matriculation," Larmi said.

Independent MLA Muzaffar Iqbal Khan, who supports NC, boycotted the ceremony, alleging discrimination against Poonch-Rajouri. Khan plans to convene six independent MLAs supporting NC-led govt to discuss their next move.

Kashmiri Pandit activist arrested in cyberterrorism case

Srinagar, Agency: Jammu and Kashmir police have arrested a Kashmiri Pandit activist, Rakesh Handoo, in a "cyberterrorism" case for allegedly manipulating and repeatedly circulating terror-related threat material.

Handoo, who had unsuccessfully contested the 2008 Assembly elections against National Conference president Farooq Abdullah from Hazratbal constituency, was remanded in police custody for five days by a court in Sopore police district, north Kashmir, on Tuesday.

On Sept 17, 2026, police in Baramulla had registered FIR No. 151/2026 against Handoo, resident of Faridabad, Haryana, on the complaint of a Kashmir migrant employee under the Prime Minister's Rehabilitation Package.

According to police officers, Handoo allegedly manipulated and repeatedly circulated terror-related threat material, purportedly issued by Soldier of Resistance, United Liberation Council, on X, falsely projecting the complainant as an intended target by altering the original material and superimposing the complainant's name onto it.

Handoo's lawyer, Aazim Ahmad Pandit, said a bail application was initially moved before a magistrate after his client's arrest as the defence was unaware of jurisdictional issues. He said they learned in court that police had invoked IT Act Secs 66F and 84C, with Sec 66F dealing with cyberterrorism, which comes under the National Investigation Agency (NIA) Act.

"Once we realised that Section 66F had been invoked, we understood that the matter pertains to the designated court. We informed the magistrate that we would approach the competent court with a bail application," Pandit said.

The lawyer said his client was alleged to have shared certain information through an account on eight occasions. "Police have escalated the matter by invoking Sec 66F but the case doesn't fulfil requirements of cyberterrorism offence," Pandit said.

Police officers said eight social media posts and relevant documentary evidence were seized from the accused, They said the accused had failed to join the investigation despite three notices, forcing police to obtain an arrest warrant.

The accused, police offices said, was arrested on Oct 17, 2026, following due legal procedure, and two mobile phones were seized and X account details obtained for technical examination. They claimed offences under Sections 66F and 84C of the IT Act have been found prima facie established during investigation, while Forensic Science Laboratory and technical analyses reports were awaited.

Threat letters to Kashmir Pandits had surfaced on social media in Aug this year. Police had tightened security in areas of the Valley where Kashmiri Pandits live and allowed some employees under the Prime Minister's Package for Kashmiri Pandits to work from home temporarily. Kashmiri Pandit group Panun Kashmir had raised concerns over a purported threat letter from United Liberation Council, which named several Kashmiri Pandits and listed their phone numbers.

Need to balance right to free speech, privacy: Supreme Court

New Delhi, Agency: SC on Tuesday acknowledged the importance of media's right to freedom of speech and expression but said this needed to be balanced with citizens' right to privacy and dignity and asked petitioner Digital News Publishers Association (DNPA) to suggest how these two rights could coexist harmoniously.

Entertaining DNPA's petition terming certain provisions of Digital Personal Data Protection Act, 2023, and the amendment to RTI Act redefining 'personal information' as an attempt towards precensorship of news content that violated the media's right to free speech and impeded media independence, SC said, "You are domain experts. You suggest to the govt and SC how to harmonise the two competing rights.

Privacy act will hit freedom of Press: Digital news body

A bench of CJI Surya Kant and Justices Joymlaya Bagchi and V Mohana said: "Media must ensure there is no misuse of the rights enjoyed by it. There must be a balance between your rights and the rights of innocent citizens. We will have to leave it to you to suggest how best you are going to ensure that the media's rights are not misused and the right to privacy of citizens are not violated."

Appearing for the petitioner, senior advocate Madhavi Divan said provisions of DPDP Act failed to provide exemption in favour of journalistic activity as a distinct class and had brought the regime of notice and prior consent within it, which would lead to closure of newsrooms as they feed live information. If journalists went around seeking consent of people, then no news could be disseminated, she said.

"It is not merely the fundamental right to speech and expression but dissemination of information owing to freedom of the press which has been set at nought by the aforesaid provision, but the DPDP Act places myriad restrictions in the manner in which information is accessed, processed and disseminated," DNPA said.

Ladakh government reaches out to protesters demanding liquor ban

Srinagar, Agency: Amid protests by women in large numbers demanding a ban on liquor and declaring Ladakh a dry Union Territory, the administration on Tuesday asked the Ladakhi Buddhist Association's women's wing to have wider consultations to build consensus on the issue and find a middle ground. The protesters are affiliated with various religious and social organisations, including the Ladakh Buddhist Association (LBA), Anjuman Imamia, Anjuman Moin-ul-Islam and the Christian community.

A Ladakh govt spokesperson said chief secretary Ashish Kundra held a meeting with women representatives of various religious organisations on Tuesday, which was also attended by representatives of tourism bodies. According to the spokesman, the participants were informed that the number of retail liquor vends was two till last year and only is functional this year. "Similarly, the number of functional bars attached to restaurants offering retail sale of liquor, which was earlier 23, had increased by 17 newly issued licences, taking the total to 40."

Can't restrict veto to P5 in a reformed UNSC: India

New Delhi, Agency: India reiterated at the UN that as long as the veto power exists in the Security Council, it must be held by all permanent members of a reformed council and not just the current countries.

While the veto issue may arise only in case of any new permanent member that may be admitted, India's position always has been that there should be no discrimination in the Security Council and also no second class of permanent members without veto. "Fairness and justice demand that all permanent members enjoy the same rights and responsibilities." said Indian ambassador to the UN P Haish while participating in a debate in the UNGA on the veto question.

"India's position on the veto is principled and well known.... We reiterate that as long as the veto exists, it must be held by all permanent members of a reformed council." The official said that a reform that expands the UN Security Council by creating another category of long-term members without the veto effectively makes them 'second-class' members and would not change the decision making dynamic of the .

Cabinet secretary lists 12 types of secretaries File throwers, file sitters, latecomers

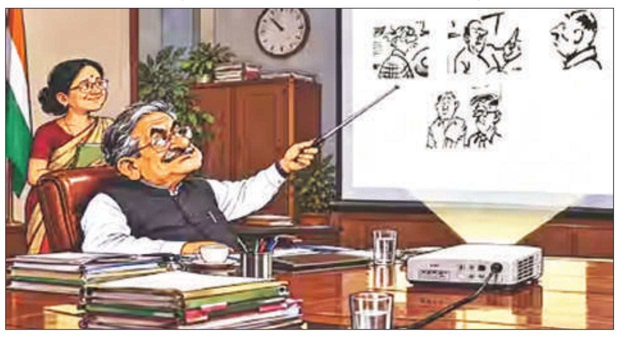

New Delhi, Agency: It began as a regular meeting. But the senior bureaucrats who had gathered at a performance review meeting on Tuesday were in for a surprise - and not a particularly pleasant one, even though the point was made with a generous dose of humour.

Cabinet secretary T V Somanathan unveiled a presentation on 12 types of bureaucrats, which is believed to have left many present at the meeting squirming. Among the types listed by Somanathan were officers who ask women colleagues to come a bit too close for comfort to show them a document; those who throw files and speak rudely; and those who call in staff on Saturdays, then arrive late themselves.

Other entries included officers who call meetings after 7pm, sit on files, or send ministers decisions they could take themselves. Each type was accompanied by a cartoon, in many cases work by Media's legendary cartoonist R K Laxman.

Apart from cartoons and indirect criticism, there was a quantitative component to the meeting too - the secretaries of various govt departments were ranked on various performance parameters.

The CabSec's broader message, officials said, was about running better meetings and making the workplace more conducive to getting things done. He also informed officers about the Centre's plans to roll out the next round of reforms, Deregulation 3.0, from Jan, aiming to cut red tape, simplify compliance and improve the ease of doing business. At a meeting of senior bureaucrats on Tuesday, Union cabinet secretary T V Somanathan urged faster inter-ministerial consultations.

Poll panel keeps RTI applicant waiting for reply

New Delhi, Agency: EC is yet to respond to an RTI application seeking details of steps taken to address grievances raised by two ECs and copies of files, including notings, related to the issue, despite the 30-day statutory timelimit for giving a reply lapsing, said applicant Commodore Lokesh K Batra (retd) Tuesday. The application was filed on Sept 25 but the RTI status on EC's website shows "32 day" and still "in-progress", Batra said, asking "why EC is maintaining a deafening silence" and "what is EC hiding?"

The activist sought copies of the complete set of records of issues and grievances raised by ECs SS Sandhu and Vivek Joshi.

On Sept 24, in a separate RTI to cabinet secretariat, Batra sought copies of the EC's communications, details of steps taken and file notings. He received a response on Oct 19, and documents and file notings on Oct 22.

NEET-PG counselling: Candidates struggle to join online as colleges remain unreachable

New Delhi, Agency: Candidates allotted postgraduate medical seats under NEET-PG counselling 2026 are facing difficulties completing the online joining process, with some reporting that nodal officers listed on the official portal are unreachable or their contact details are invalid.

At Vardhman Mahavir Medical College (VMMC) and Safdarjung Hospital, candidates have complained that the nodal officer's mobile phone is switched off and landline numbers are not reachable. The Medical Counselling Committee's (MCC) helpline, they said, directed them to contact the allotted college, leaving them struggling to resolve admission-related queries.

The problem is not limited to one institution. Candidates have also flagged similar difficulties with the University College of Medical Sciences (UCMS), where the portal displays a nodal officer's mobile number as "00000000", making it impossible to contact the designated official on that number. The portal lists an email address, but candidates have complained of not receiving a response.

When contacted, a senior official told Media, "we will take up the issue with the colleges and ask them to update their contact details so that students can reach the concerned officials during counselling.

India invites Pakistan for SCO civilisational dialogue forum meet next month

New Delhi, Agency: India has invited Pakistan for the inaugural meeting of the SCO civilisational dialogue forum that it will host next month.

Prime Minister Narendra Modi had proposed the dialogue forum during his visit to Tianjin last year for the SCO summit, saying that it would work to foster greater people-to-people ties and cultural understanding within the grouping.

Aurungzeb Khan Khichi, minister for national heritage and culture, has been invited for the dialogue.

The Eurasian bloc continues to enjoy immunity from India-Pakistan tensions, allowing rare high-level visits from both sides even in the absence of any substantive bilateral engagement between the two countries for over a decade.

The last Pakistan minister to visit India was Bilawal Bhutto in 2023 for a meeting of the SCO foreign ministers.

External affairs minister S Jaishankar travelled to Pakistan the next year for the meeting of SCO heads of govt. On both occasions, there was no bilateral meeting.

The invitation for the civilisational dialogue comes weeks after India sent its SCO national coordinator Alok Dimri to Pakistan for a high-level meeting to finalise the grouping's agenda and meetings in the run-up to the Islamabad summit next year. Pakistan currently holds the SCO presidency and will host the heads of state summit next year. SCO national coordinator Dimri's visit was the first senior-level visit from either side since the Pahalgam terror attack.